राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 09 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-344 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रूडो का इस्तीफा

क्या वामपंथी सूरज अस्त और दक्षिणपंथी सूरज का उदय

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के ऐलान ने न केवल कनाडा बल्कि वैश्विक राजनीति में नई बहस शुरु कर दी है। ट्रूडो का जाना वामपंथी और उदारवादी राजनीति के कमजोर पड़ने का संकेत दिखते है। लंबे समय तक लिबरल आइकॉन रहे पूर्व पीएम ट्रूडो ने अपने कार्यकाल में कई विवादों का सामना किया, इससे उनकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय साख को नुकसान पहुंचा।

जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे का राजनीतिक भविष्य उज्जवल दिख रहा है। खुद को कट्टर दक्षिणपंथी बताने वाले पोइलिवरे ने वोक लीडरशिप और उदारवादी विचारधारा पर तीखे हमले किए हैं। उनका समर्थन बढ़ता दिख रहा है, खासकर तब जब कनाडा की जनता ट्रूडो के विवादित फैसलों और कमजोर नेतृत्व से नाराज दिख रही है। कनाडा में बदलाव की यह आहट अकेली नहीं है। यूरोप और अमेरिका में भी दक्षिणपंथ का उभार स्पष्ट दिखाई देता है। यूरोप के इटली, फिनलैंड, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देशों में दक्षिणपंथी सरकारें हैं। इतना ही नहीं डोनाल्ड ट्रंप खुले तौर पर लिबरल राजनीति के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। वहीं भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में दक्षिणपंथी राजनीति का वर्चस्व है।

वामपंथी राजनीति के पतन की वजह

वामपंथी सरकारें अक्सर ग्लोबल एजेंडा पर जोर देती हैं, जिससे स्थानीय समस्याओं की अनदेखी होती है। वामपंथी सरकारों की उदारवादी नीतियां कई बार आर्थिक अस्थिरता पैदा करती हैं, जिससे जनता का विश्वास टूटता है। वहीं परंपरा, धर्म और देशप्रेम को बढ़ावा देने वाली दक्षिणपंथी विचारधारा जनता के बड़े हिस्से को आकर्षित कर रही है।

कनाडा का भविष्य और ग्लोबल राजनीति

ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा दक्षिणपंथ की ओर बढ़ता दिख रहा है। यह न केवल कनाडा बल्कि वैश्विक राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है, जहां दक्षिणपंथी सरकारें अधिक प्रभावी होंगी।

भारत की भूमि पर कब्जा, बांग्लादेशी मीडिया को बीएसएफ ने दिखा दी उसकी औकात

भारत की एक भी इंच जमीन पर न कब्जा है और न ही किया जाएगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बांग्लादेश ने दावा किया कि उसकी सेना ने भारत की सीमा में घुसकर भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। जैसे ही यह खबर आई, भारत ने बांग्लादेश की पोल दुनिया के सामने खोल दी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारत की पांच किलोमीटर भूमि पर नियंत्रण करने का दावा करने वाली खबरों को ''निराधार और गैर जिम्मेदाराना'' बताया है।

बीएसएफ साउथ बंगाल फ्रंटियर' ने कहा कि बांग्लादेशी मीडिया में छपी रिपोर्ट ''सत्य नहीं'' हैं। बयान में कहा गया है, यह क्षेत्र उत्तर 24 परगना जिले के बागदा ब्लॉक के रणघाट गांव में भारतीय सीमा में है। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) कोडालिया नदी के साथ-साथ है, इसके दोनों तरफ संदर्भ स्तंभों द्वारा अच्छी तरह से सीमांकित किया है।दरअसल बीएसएफ ने उन दावों का खंडन किया कि बीजीबी कर्मियों ने 19 दिसंबर से मोटर चालित नावों और एटीवी का उपयोग करके क्षेत्र में 24 घंटे गश्त शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ''ये रिपोर्ट मनगढ़ंत कहानियों के अलावा कुछ नहीं हैं। बीएसएफ और बीजीबी नदी के अपने-अपने किनारों पर अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। यह नदी आईबी के रूप में कार्य करती है। बीएसएफ ने कहा कि क्षेत्र में बाड़ नहीं है और बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा तस्करी और घुसपैठ का खतरा रहता है। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। बीएसएफ के बयान में कहा गया हैं कि भारत की एक भी इंच जमीन पर न कब्जा किया गया है और न ही किया जाएगा। बीएसएफ और बीजीबी दोनों ही 'भारत-बांग्लादेश सीमा दिशानिर्देश, 1975' के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में शांतिपूर्वक अपना दबदबा बनाए हुए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की अखंडता बनी रहे।

पहला कॉलम

असम के कोयला खदान में पानी भरने से एक की मौत, 8 लोग फंसे

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू में आ रही कठिनाई

दीमा हासाओ। असम के दीमा हासाओ जिले में फंसे कोयला खदान से बुधवार तड़के खदान में पानी भरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 8 अभी भी उसमें फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। करीब 48 घंटे बाद भारतीय सेना के 21 पैराशूट डाइवर्स ने शव को खदान से बाहर निकाला है। वहीं बचाव अभियान में भारतीय सेना, नौसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने मंगलवार से ही काम शुरू कर दिया था। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा- हमारे विचार और प्रार्थनाएं शोकग्रस्त परिवार के साथ हैं। सीएम ने बताया कि सेना और एनडीआरएफ के डाइवर्स खदान में प्रवेश कर चुके हैं और नौसेना के कर्मी भी तैयार हैं ताकि वे बचाव कार्य में शामिल हो सकें। एसडीआरएफ द्वारा पानी निकालने के लिए पंप भेजे जा रहे हैं और तेल और प्राकृतिक गैस निगम के पंप भी एयरलिफ्ट किए जा रहे हैं। इन खनिकों के 300 फीट नीचे फंसे होने का अनुमान है और उनका रेस्क्यू ऑपरेशन में कठिन हो रही है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि नौ लोग खदान में फंसे हुए हैं जबकि कुछ का कहना था कि संख्या 15 तक हो सकती है। वहीं सीएम ने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच में खदान अवैध प्रतीत होती है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है और उस पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है क्योंकि वह इस खदान को चला रहा था और उसमें काम करने के लिए मजदूरों को लगाया था।

संभल सर्वे पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, 25 फरवरी को होगी सुनवाई

संभल। यूपी के संभल में विवादित स्थल के सर्वे को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। इससे हिंदू पक्ष को झटका लगा है। यह फैसला मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद आया है। मुस्लिम पक्ष ने सर्वे के खिलाफ अदालत का रुख करते हुए तर्क दिया कि यह सर्वे अनावश्यक है और इससे धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने की आशंका है। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को गंभीरता से लेते हुए निचली अदालत के सर्वे कराने के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 25 फरवरी तय की है। इस दौरान दोनों पक्षों को अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

केरला एक्सप्रेस में मिला 25 लाख रुपए से भरा बैग, जांच में जुटीं एजेंसियां

आगरा। यूपी की ताज नगरी आगरा जिले में केरला एक्सप्रेस में एक नोटों से भरा हुआ बैग मिला। इस बैग में करीब 25 लाख रुपए थे और यह पूरी रकम 500 रुपए के नोट थे। यह बैग आगरा कैंट जीआरपी की एस्कॉर्ट टीम को मिला। हालांकि जब अधिकारियों ने बैग के मालिक का पता लगाने की कोशिश की लेकिन पता नहीं लगा सका कि यह बैग किसका था। बैग में मोबाइल फोन भी मिला लेकिन इससे भी कोई महत्वपूर्ण जानकारी हासिल नहीं हो सकी है। खुफिया एजेंसियां और स्थानीय पुलिस इस बैग के मालिक का पता लगाने में जुटी हुई है। यह मामला संदिग्ध है और जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आ सकेगी कि आखिर यह बैग किसका था और इसमें रखा पैसा कहां से आया।

हाड़-मांस कंपा देने वाली ठंड के लिए रहें तैयार

अगले दो दिनों में और गिरेगा पारा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

उत्तर भारत में इन दिनों शीतलहर का कहर जारी है। देश के कई राज्यों में सर्द मौसम और कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी है। राजधानी दिल्ली में बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। कश्मीर में रातभर हुई बर्फबारी के बाद रात का तापमान कई डिग्री तक बढ़ गया। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार सहित कई राज्यों में शीतलहर ने ऐसा कोहराम मचाया है कि लोगों को जीना मुहाल हो गया है। पहाड़ी राज्यों में तापमान में लगातार नीचे गिर रहा है। दिल्ली में बुधवार को भी ठंड का प्रकोप जारी है। दिल्ली में हफ्तेभर से शीतलहर के साथ-साथ घना कोहरा छाया हुआ है। आईएमडी ने 11 और 12 जनवरी को बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की आशंका जाहिर की है।

देश के सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश में मौसम विभाग की ओर से 24 घंटे के भीतर पूर्वी यूपी के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जो कि यूपी के मौसम को प्रभावित करेगा। इससे 11 व 12 जनवरी को उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। वहीं हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पंजाब हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अगले पांच दिनों में बदलेगा मौसम

अगले पांच दिनों में उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट और उसके बाद से 2 से 4 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है उसके अलावा पूर्वी भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से 4 डिग्री गिरावट उसके बाद उसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

न्यायालय की डिक्री पर नहीं लगेगी स्टैंप ड्यूटी

सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार सिविल कोर्ट द्वारा जिन मामलों में डिक्री जारी की जाती है। उसे रजिस्टर्ड कराना अनिवार्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 दिसंबर 2024 को इंदौर हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए यह आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत समझौते को ही डिक्री माना गया है। पंजीयन एक्ट में अलग से रजिस्ट्रेशन कराने का कोई प्रावधान नहीं है। इंदौर के मुकेश नामक व्यक्ति की जमीन पर अभय कुमार ने कब्जा करने की कोशिश की थी। इस मामले का विवाद कोर्ट में पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच में समझौता हो गया। न्यायालय ने डिक्री जारी कर दी। मुकेश जब नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय पहुंचा। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने समझौते को रजिस्टर्ड करने के लिए कहा। कलेक्टर स्टेंप ने 6.67 लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी मांगी थी। मुकेश ने इसकी अपील राजस्व बोर्ड में की। यहां अपील खारिज कर दी गई।

2020 में हाईकोर्ट में अपील को दायर किया गया। वहां से भी मुकेश को राहत नहीं मिली थी। इस मामले की अपील सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई। अधिवक्ता आनंद अग्रवाल और वरुण रावल ने पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने समझौते के आधार पर यह फैसला सुनाया है। न्यायालय की डिक्री पारित होने के बाद अलग से रजिस्टर्ड करने की कोई जरूरत नहीं है।

गुजरात में 11 से 14 जनवरी तक मनेगा उत्तरायण त्यौहार,

दुनिया भर के पंतगबाजों का लगेगा जमावड़ा

अहमदाबाद । (एजेंसी)

भारत दुनिया के बेहद खूबसूरत देशों में शुमार है। यहां आपको सबकुछ मिलेगा पर यहां कि सबसे खास चीज है, जो भारत को दुनिया के दूसरे देशों से अलग करती हैं, वहां यहां के परपांरिक त्यौहार है। मकर संक्रांति का त्यौहार आने वाला है और गुजरात में इस उत्तरायण त्यौहार भी कहते हैं। दरअसल, मकर संक्रांति के मौके पर गुजरात के अलग-अलग शहरों में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल का आगाज होता है। यहां लोग पतंग बाजी देखने के लिए दूर-दूर से आते हैं। एक बड़ी आबादी दूसरे देशों से भी यहां घूमने आती है और रंग-बिरंगे काइट फेस्टिवल को मजा लेते है।

इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल 2025 इस साल गुजरात में 11 से 14 जनवरी तक है। इसके तरह गुजरात के कई शहरों में पतंग महोत्सव रखा जाता है। इसमें प्रमुख शहर अहमदाबाद, कच्छ, सूरत, सापूतारा, राजकोट, पोरबंदर, गांधीधाम, अमरेली, खंभालीडा, भावनगर पहुंचना है और फिर आप यहां घूमते हुए इन शहरों में पतंग उत्सव में शामिल हो सकते हैं। 1989 से, अहमदाबाद शहर ने उत्तरायण के आधिकारिक उत्सव के हिस्से के रूप में

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव की मेजबानी की है, जिसमें दुनिया भर से मास्टर पतंग निर्माता और उड़ाने वाले अपनी अनूठी कृतियों का प्रदर्शन करने और बेहद अनोखी पतंगों से लोगों को मंत्रमुग्ध करने के लिए आते हैं। यहां काफी अलग-अलग चीजें देखने को मिलती हैं जैसे कि लोग एक ही डोर पर 500 तक पतंगें उड़ाते हैं जो एक क्लासिक आकर्षण बन गया है।

चुनाव से पहले केजरीवाल का खेला, बीजेपी धर्मगुरुओं को किया पार्टी में शामिल

भगवा गमछा पहना किया स्वागत, सनातन सेवा समिति गठन का किया ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी को तगड़ा झटका दिया है। बुधवार को आप ने बीजेपी की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट से जुड़े 100 से ज्यादा धर्मगुरुओं को आप में शामिल कर लिया है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने धर्मगुरुओं को भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया और इस मौके पर सनातन सेवा समिति के गठन का भी ऐलान कर दिया।

आप ने वादा किया है कि दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए वेतन दिया जाएगा। इस घोषणा को आप के पुजारियों और संतों के प्रति समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि पुजारी और संत भगवान और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। उनकी सेवा करना हमारा सौभाग्य है। बीजेपी के मंदिर प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों से वादे किए गए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया गया। आप जो कहती है, वो करती है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि विजय शर्मा, जितेंद्र शर्मा, आचार्य बृजेश शर्मा, मनीष गुप्ता, दुष्यंत शर्मा, उदयकांत झा, वीरेंद्र, सोहनदास और श्रवण दास जैसे प्रमुख धर्मगुरु पार्टी में शामिल हुए हैं। इन सभी को सनातन सेवा समिति में शामिल किया गया है। केजरीवाल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मंदिर प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों को लंबे समय से

नजरअंदाज किया गया है, लेकिन आप ने उनके लिए ठोस कदम उठाने का फैसला किया है।

आप का यह कदम दिल्ली चुनाव से पहले धार्मिक और सामाजिक संगठनों को जोड़ने की कोशिश माना जा रहा है। इस पहल से आप न केवल बीजेपी में सेंध लगा रही है, बल्कि सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच अपनी पैठ मजबूत कर रही है। दिल्ली चुनावी में आप का यह कदम बड़ा राजनीतिक संदेश देता है। अब देखना होगा कि इस रणनीति से पार्टी को कितना फायदा मिलता है।

यह हमला पिछले दो सालों में किया गया सबसे बड़ा नक्सली हमला था

बीजापुर हमले में शहीद हुए जवानों में 5 नक्सली भी.....पुलिस में हो गए थे भर्ती

रायपुर। (एजेंसी)

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए नक्सली हमले ने सभी को हिलाकर रख दिया। इस घटना में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट से पुलिस जवानों को लेहर रही गाड़ी को उड़ा दिया था। इस हमले में 9 जवान शहीद हो गए थे। घटना 6 जनवरी को कुटरू के जंगल में हुई थी। शहीद जवान मुठभेड़ के बाद लौट रहे थे। इस ऑपरेशन में 5 नक्सली मारे गए थे और एक डीआरजी जवान शहीद हुआ था। शहीद हुए 8 पुलिसकर्मियों में से 5 नक्सली थे, जिन्होंने बाद में पुलिस फोर्स ज्वॉइन की थी। यह हमला पिछले दो सालों में नक्सलियों द्वारा किया गया सबसे बड़ा हमला था।

बीजापुर जिले के कुटरू में 6 जनवरी को हुए इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। नक्सलियों ने पुलिस के एक वाहन को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया था। इस ब्लास्ट में 8 पुलिस जवान और उनके वाहन का ड्राइवर भी शहीद हो गया था। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। यह हमला उस समय हुआ जब सुरक्षाकर्मी 3 जनवरी को शुरू हुए एंटी-नक्सल ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे। इस ऑपरेशन में 4 जनवरी की शाम को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे और डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया था। इन जवानों ने नक्सलवाद छोड़कर समाज की सेवा करने का फैसला किया था। आईजी ने बताया कि पिछले साल बस्तर संभाग में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद भी ऐसी घटनाएं होना चिंता का विषय लगती हैं, इसलिए सरकार नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस घटना पर दुख जताया था उन्होंने

नक्सलियों के खात्मे की 2026 तक की तारीख तय कर रखी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

प्रवासी भारतीय दिवस

ललित गर्ग

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है।

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है ह्लविकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदानह्व। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊजार्वान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है।

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन

डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है। उनकी सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच, सांस्कृतिक मूल्य, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रतिभा को दिया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवासी भारतीयों की ताकत को देखते हुए और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 2002 में एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय किया था।

नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे कई कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में भारतीयों की आबादी दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय वहां की सरकारों में मंत्री और सांसद तो निर्वाचित हुए ही हैं बल्कि नीति निर्धारक विभागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। भारतीयों की खासियत है कि वे जिस भी देश में गए उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर लिया। वहां के व्यापार, उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र आदि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भले ही प्रवासी भारतीयों ने वहां का सब कुछ आत्मसात कर लिया है लेकिन वह भारत माता की माटी की सुगन्ध को नहीं भूले। उनकी रगों में भारत की संस्कृति एवं संस्कार रचे-बसे हैं। प्रवासी भारतीयों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता एक वास्तविकता बन सकती है। भारत ने नवंबर 2017 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी की पुनर्नियुक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र में दो-तिहाई मत हासिल कर अपने राजनयिक प्रभाव का प्रदर्शन किया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं।

दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन ह्यइंडियास्पोराह्न का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस पर भुवनेश्वर में आयोजित सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीय भाग ले रहे हैं। निश्चित ही प्रवासी भारतीयों की सामूहिक शक्ति और क्षमता राष्ट्र के समावेशी विकास को और बल प्रदान करेगी। सशक्त भारत-नया भारती एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को प्राप्त करने हेतु हमारी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वे अपनी ऊर्जा, अनुभव, विचारों, व्यापार कौशल, निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग में योगदान देंगे। मातृभूमि की माटी की पुकार ऐसी होती है जो समय और दूरी की बाधाओं को नहीं देखती है। प्रवासी भारतीयों ने दुनिया के विभिन्न कोनों में अपने निवास के देशों में समृद्ध और उत्पादनशील जीवन का निर्माण किया है। इस सम्मेलन में असाधारण योग्यता के व्यक्तियों के भारत के विकास में उनकी भूमिका की सराहना करने के लिए प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित करने की प्रोत्साहन योजना भी है। 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के साथ, यह सम्मेलन भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मंच है। भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्राओं में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाना चाहा है कि भारत आर्थिक सुधारों की राह पर चल रहा है और भारत में निवेश करना तथा व्यापार करना पहले से कहीं आसान हो गया है, इसलिए भारत में पूंजी लगाने में वे तनिक न हिचकें।' भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, इन सुखद स्थितियों में विदेशों में प्रवासी भारतीयों की स्थिति का मजबूत बनाना अच्छी बात है, लेकिन देश में बदलते हालातों एवं नये बनते भारत में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होना अपेक्षित है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

दहशत न फैलाएं

कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी के दो मामलों की पुष्टि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार तीन महीने की बच्ची को ब्रोंकोन्यूमोनिया की शिकायत थी, जांच में एचएमपीवी संक्रमित होने का पता चला। दूसरा आठ महीने का शिशु इससे संक्रमित पाया गया। हालांकि दोनों मरीजों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का कोई इतिहास नहीं है।

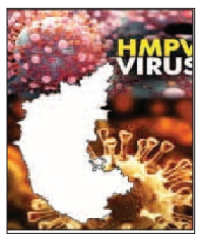

मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान आंकड़ों से पता चला गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के मामले में कोई असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई। सरकार की संक्रमण के मामलों पर गंभीर नजर बताई जा रही है। कोविड़-19 महामारी के विश्व को चपेट में लेने के पांच सालों बाद एचएमपीवी वायरस के चीन में तेजी से फैलने की खबरों की दहशत के असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट आ गई। एचएमपीवी संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने से यह वायरस फैल रहा है। संक्रमित के खांसने-छींकने- छूने और हाथ मिलाने से यह बढ़ रहा है। इस संक्रमण की खोज 2001 में की जा चुकी है। यह रेस्पेरेटरी संकाइटियल वायरस के साथ न्यूमोविरिडे.का भी हिस्सा बताई जा रही है। चीन समेत नीदरलैंड़, फिनलैंड़, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 2023 में इसके संक्रमित मिल चुके हैं। भारत सरकार का कहना है कि मौसम को देखते हुए यह स्थिति असामान्य नहीं है। सरकार ने वायरस की गंभीरता को भांपते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन की स्थिति के विषय में अपडेट देने को भी कहा है। विशेषज्ञ इसे अभी जानलेवा वायरस नहीं बता रहे हैं जो छोटे बच्चों में आम है। जिन्हें अस्थमा है या फेफड़ों से संबंधी कोई गंभीर बीमारी है, उन्हें चेतावनी दी गई है। इससे बचाव के लिए लगातार हाथ धोने, मास्क पहनने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी जा रही है। एंटी वायरल दवाएं बगैर चिकित्सकीय सलाह के लेने के प्रति चेतावनी भी दी गई है। कोविड़ संक्रमण से खौफजदा लोगों में आकस्मिक भय व्याप्त है, जिसे दूर करने की जिम्मेदारी मीड़िया और चिकित्सकों को गंभीरता से निभानी चाहिए। शेयर बाजार का गिरना और कोविड़ की पुरानी तस्वीरों/वीड़ियो को वायरल कर दहशत फैलाने वालों को भी चेतावनी दी जानी चाहिए। जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, बेवजह लॉकड़ाउन लगाने या रोजमर्रा की जरूरी चीजों को जमा करने की सलाह जैसी दहशत फैलाना कतई अनुचित है।

चिंतन-मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है। ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

हमारा सबसे अच्छा दिन आज ही है ..!

डॉ मयंक मुरारी

इस जगत में कुछ भी रुकता नही है। हमारे जीने के वर्षों की गणना संभव है, लेकिन जीवन उन वर्ष में सिमटा नहीं होता है। जीवन बस अभी के पल को अर्थपूर्ण जीने और बनाने में है। यह क्षण ही जीवन है। जीवन प्रतिपल है। हमने अगर उस पल को खो दिया, तो पल-पल के साथ दिन, साल और अंततः जीवन भी खो देते हैं। यही प्रकृति का नियम है कि जो अभी है वह कुछ देर बाद नहीं होगा। सुबह का फूल शाम को मुरझा जाता है, यद्यपि वह पेड़ से जुड़ा होता है। इसी प्रकार जीवन में बूंद-बूंद सुख आते हैं, इकटठा सुख कभी नहीं बरसता है। सब कुछ बूंद-बूंद मिलता है। बस उसको ही स्वीकार करना होता है। एक पल ही अपना है, वहीं हमारे हाथ में आता है, फिर वह हमारे साथ नहीं रहता है। सुख बस उस क्षण को पूर्णतः में जीना है। उस पल को पीना है। हम विराट की आशा करते है, और लघुता से असहमति जताते हैं। हमारी चाहत शाश्वत सुख की होती है और उस सुख के क्षण में स्थिर होना नहीं चाहते हैं। हम हर पल को नष्ट करते हुए शाश्वत को दूर करते जाते हैं।

सुख क्षणिक है। उस पल की स्थिरता में ही शाश्वत का दर्शन है, उसमें ही विराट की अनुभूति है। कल जो बीत गया, वहीं श्रेष्ठ था। हमने उसे क्षणिकता में छोड़ दिया। सुख प्रतिपल है। जो सुख मैंने बीते कालखंड में बिताया, उसे अब दुबारा कहां पाया जा सकता है ? समय का सवाल उस सुख को अब सपना बना दिया है। उन सुनहरे पल के साथ सुख की धारा चली थी, संगीत की लहर बही थीं और परिवेश में एक मादक प्यास का आलम था। आज सब खत्म हो गया। ऐसे पल में एक पंक्ति याद आती है-कभी कभी दो लम्हों का साथ जिंदगी का प्रेम दे जाता है। और कभी-कभी जिंदगी भर का साथ भी दो लम्हों का सुकून नहीं दे पाता है। हमारी सुख हमारी इंद्रियों का मोहताज है। हमारी तार्किक बुद्धि हरेक सुख को दुखद अंत में बदल डालती है। हम अपने सुख की निंदा करते हैं। प्रेम की, मित्रता की, भोजन की और अपने शरीर की भी निंदा से नहीं चुकते हैं। वर्तमान का जीवन दुखी जीवन है जिसमें सुख के कोई पल नहीं है। बगीचा में ओस की बूंदों के कारण चमकने वाले फूल की पंखुड़ियां सदैव वैसी नहीं रहती है। इस कारण हम फूल के सौंदर्य को इंकार नहीं कर सकते हैं। ऐसा फूल नहीं मिलेगा, जो खिला रहे।

शक्ति क्षण में ही नीहित है। इस पर प्रख्यात लेखक द्वय स्विच और मेड टू स्टिक ने एक किताब लिखी है, जिसका नाम है- दी पावर ऑफ मोमेंट। इसमें उन्होने इस का पता लगाया है कि कुछ संक्षिप्त अनुभव हमें कैसे झकझोर सकते हैं, हमें ऊपर उठा सकते हैं और हमें बदल सकते हैं - और हम अपने जीवन और काम में ऐसे असाधारण क्षणों का निर्माण कैसे कर सकते हैं। जबकि मानव जीवन अंतहीन रूप से परिवर्तनशील है। हमारे जीवन में क्षण भी निर्णायक हो सकते है। इस किताब में बताया गया है कि हमारे सबसे यादगार सकारात्मक क्षणों में चार तत्व हावी होते हैं- उत्थान, अंतर्दृष्टि, गर्व और संबंध। यदि हम इन तत्वों को अपनाते हैं, तो हम और अधिक महत्वपूर्ण क्षणों को याद कर सकते हैं। क्यों हम किसी अनुभव के सबसे अच्छे या सबसे बुरे पल को याद रखते हैं, साथ ही अंतिम पल को भी, और बाकी को भूल जाते हैं ? क्यों जब चीजें निश्चित होती हैं तो हम सबसे अधिक सहज महसूस करते हैं, लेकिन जब वे निश्चित नहीं होती हैं तो हम सबसे अधिक जीवंत महसूस करते हैं। और क्यों हमारी सबसे प्रिय यादें हमारी युवावस्था के दौरान एक संक्षिप्त अवधि में एकत्रित होती हैं ? हममें से अधिकतर लोग जीवन को अपने से दूर जाने देते हैं। हम जीते नहीं। हम बस मौजूद रहते हैं, लेकिन सवाल जरूर करते है कि समय नहीं मिलता है ! काफी व्यस्त जिंदगी है। अगर हम हर पल का सबसे अच्छा उपयोग करते हैं तो ही जीवन सफल बनता है।

हमारे जीवन में कई निर्णायक क्षण संयोग या दुर्भाग्य के परिणाम होते हैं - लेकिन हम अपने सबसे सार्थक, यादगार और ऊर्वर क्षणों को संयोग पर क्यों छोड़ना चाहेंगे ! सभी क्षण समान नहीं होते हैं तो सभी क्षण में से कुछेक की यादें हमारे साथ चलती है। हमारी स्मृति उन्हीं क्षण को याद रखती है जो हमारे जीवन में अर्थपूर्ण होते हैं, ऊंचाई की ओर ले जाते है या हमका दुख का कारण बन जाते हैं। हम किसी क्षण को तभी अर्थपूर्ण बना पायेंगे, जब हमारी अंतर्दृष्टि सहज रहेगी। अंतर्दृष्टि सहज होने पर हमारा नजरिया बदल जाता है और जीवन जीने के तरीके में भी बदलाव आ जाता है। ऐसी स्थिति में हम खुद सत्य को जानते हैं उसके साथ रहना पसंद करते हैं। यह सकारात्मकता को बढ़ता है और दूसरों की पहचान में मदद करता है। कभी-कभी मोमेंट के कुछेक शब्द ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। परिवर्तन उसी क्षण संभव है जब हम चीजों की वास्तविकता को उसी रूप में स्वीकार कर लेते हैं, जैसी वे हैं। भविष्य चिंता, पछतावा, योजना, दिवास्वप्न आदि चरित्रगत बातों को छोड़ना सीख सकं तो हमारी दुनिया अधिक सरल, दयालु और आकर्षक बन जायेगी।

वर्तमान क्षण से हमारा क्या तात्पर्य है ? हम पहले से ही मान लेते हैं कि हमें पता है कि क्या होना है, जबकि यह ऐसा नहीं है। वर्तमान क्षण पर ध्यान देने का एक तरीका है अतीत और भविष्य को छोड़ देना। हरिवंश राय बच्चन की कविता है- जो बीत गईं सो बात गईं...। इस बात पर चिंतन करते हुए ज्ञान बोध के साथ स्वयं आगे बढ़े, न कि हम अतीत की ओर देखें ? टेरेसा अमाबिले और स्टीवन क्रेमर ने द प्रोग्रेस प्रिंसिपल में बताया है कि कार्य के दौरान खुशी, जुड़ाव और रचनात्मकता को उर्वर बनाने के लिए छोटी जीत या खुशी का उपयोग करना चाहिए। प्रगति को सक्षम करने वाली दो शक्तियों को सक्रिय करना होता है। पहली शक्ति उत्प्रेरक है, जो सीधे कार्य को सुविधाजनक बनाती हैं। दूसर तत्व पोषक है। पारस्परिक घटनाएँ जो लोगों का उत्थान करती हैं, जिसमें प्रोत्साहन और सम्मान और सहकारिता का प्रदर्शन शामिल है। दूसरों को पहचानें, तो कभी-कभी कुछ सकारात्मक शब्द ही प्राप्तकर्ता के लिए गर्व का बड़ा क्षण बन सकते हैं। समय में रिश्तों को मजबूत करने की शक्ति होती हैं। एक सार्थक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करना शक्तिशाली हो सकता है। इसमें रोचक कहानी, प्रेरणा और खट्टे मीठे अनुभव होते हैं, जो जीवन में शक्तिशाली क्षणों को बार-बार लाते हैं।

गंभीर चिंता का विषय है ऑनलाइन गेमिंग

विनीत पाण्डेय

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट और स्मार्टफोन ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है। इन तकनीकों के चलते मनोरंजन के नए तरीके भी उभरकर सामने आए हैं, जिनमें ऑनलाइन गेमिंग का प्रचलन सबसे तेजी से बढ़ा है। यह प्लेटफॉर्म न केवल युवाओं के लिए मनोरंजन का एक प्रमुख स्त्रोत बन गए हैं, बल्कि इसने सट्टेबाजी के रूप में एक नए और खतरनाक उद्योग को भी जन्म दिया है। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी का मिलाजुला रूप युवाओं के लिए बेहद आकर्षक और नुकसानदायक साबित हो रहा है।

ऑनलाइन गेमिंग का क्षेत्र आज बहुत विस्तृत हो चुका है हालांकि, कुछ ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और ऐप्स ने इन खेलों को एक नए रूप में पेश किया है, जिसमें सट्टेबाजी की सुविधा जोड़ी गई है। यानी खिलाड़ी अपनी गेमिंग क्षमताओं के आधार पर पैसे दांव पर लगाते हैं और यदि वे जीतते हैं, तो वे पैसे जीतते हैं, और यदि हारते हैं तो पैसा गंवा बैठते हैं। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति धीरे-धीरे पारंपरिक खेलों से होते हुए ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में भी प्रवेश कर चुकी है। इस तरह के स्वरुप में मैच से पहले क्रिकेट की टीम बनाना, ताश खेलना और दूसरे अंजान लोगों के साथ खेलने के लिए लूडो जैसे खेल शामिल हो चुके हैं। खिलाड़ियों को अपनी गेमिंग क्षमता के अनुसार पैसे जीतने का मौका मिलता है, जिससे उनकी संलिप्तता और जोश दोनों बढ़ जाते हैं। समय के साथ गेमिंग का यह रूप सट्टेबाजी में बदलने लगता है, जो अंततः वित्तीय नुकसान और मानसिक तनाव का कारण बनता है। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी का मिलाजुला रूप युवाओं को इस कदर आकर्षित करता है कि वे धीरे-धीरे जुए की लत में फंसने लगते हैं। युवा, जो पहले केवल मनोरंजन के लिए गेमिंग करते थे, अब इन खेलों को जीतने के लिए बड़े पैमाने पर पैसे दांव पर लगाने लगते हैं। यह आदत इतनी गंभीर हो सकती है कि युवा अपनी पढ़ाई, काम, और पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर देते हैं। सट्टेबाजी का सबसे बड़ा और स्पष्ट प्रभाव आर्थिक नुकसान के रूप में सामने आता है। कई युवा खिलाड़ियों की मानसिकता यह हो जाती है कि वे खेल में जीतने के लिए पैसे दांव पर लगाएंगे। लेकिन यह प्रक्रिया अक्सर उनकी हार की स्थिति में परिणत होती है, और वे अपनी जमा पूंजी, या यहां तक कि अपने परिवार का पैसा भी खो सकते हैं। आर्थिक संकट के कारण कई बार यह युवा आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने तक पहुंच सकते हैं। हाल ही में समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही युवा की आपबीती काफी चर्चा में रही जिस पर ऑनलाइन गेमिंग में पैसे लगाने और हारने की वजह से करीब 96 लाख का कर्ज हो गया। सट्टेबाजी की लत मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डाल सकती है लगातार हारने के कारण मानसिक अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन गेम्स के लिए घंटों तक बैठने से शारीरिक समस्याएं, जैसे आंखों की समस्या, सिरदर्द, गर्दन और कमर दर्द, भी हो सकता हैं। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से युवा शारीरिक गतिविधियों से वंचित हो जाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। सट्टेबाजी में संलिप्त लोगों को सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है और इस तरह की आदत विकसित होने से वे अपने परिवार और मित्रों से भी दूर हो सकते हैं। वे अपने परिवार के खर्चों के लिए पैसे चुराने, उधार लेने या जुए के लिए गलत रास्ते अपनाने तक पहुंच सकते हैं। इस प्रकार, यह न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भी खटास पैदा करता है। इसके परिणामस्वरूप परिवारों में विवाद और टूटन हो सकती है। इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर धोखाधड़ी भी होती है कई फर्जी वेबसाइट्स और ऐप्स खिलाड़ियों को धोखा देती हैं, जहां वे जीतने के बाद भी पैसे नहीं प्राप्त कर पाते। इसके अलावा, सट्टेबाजी के दौरान व्यक्तिगत डेटा चोरी होने का खतरा भी रहता है, जिससे साइबर अपराधों की संभावना बढ़ जाती है।

भारत में अधिकांश राज्यों में जुआ और सट्टेबाजी अवैध है हालांकि, ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामले में कानूनी ढांचा पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। कई प्लेटफॉर्म्स विदेशों से संचालित होते हैं, जिससे उन्हें भारतीय कानूनों का सामना नहीं करना पड़ता। इसके कारण ऐसे वेबसाइट्स पर सट्टेबाजी की गतिविधियां अवैध होने के बावजूद कानून के दायरे से बाहर होती हैं, जिससे युवाओं को धोखा देना आसान हो जाता है। ऑनलाइन गेमिंग से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सरकार को इस मामले में कड़े कानून बनाने और लागू करने की आवश्यकता है साथ ही सक्षम सरकारी एजेंसियों को ऐसे प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, जो अवैध सट्टेबाजी की पेशकश कर रहे हैं साथ ही, इन प्लेटफॉर्म्स की निगरानी भी आवश्यक है। इसके अलावा नागरिकों को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए सट्टेबाजी के खिलाफ सिर्फ कानूनी उपायों के भरोसे न रह कर सामूहिक जागरूकता और व्यक्तिगत सजगता का रास्ता भी अपनाना होगा। सबसे पहले, युवाओं और उनके अभिभावकों को इस खतरे के बारे में जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में इस मुद्दे पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर सट्टेबाजी कितनी खतरनाक हो सकती है और इसके क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं। इसका ये मतलब नहीं की इसे बिल्कुल बंद ही कर देना चाहिए पर ऑनलाइन गेमिंग को सुरक्षित रूप से खेलने के लिए सुरक्षित और अनुशासित तरीके अपनाए जाने चाहिए। गेमिंग कंपनियों को जिम्मेदार बनाना चाहिए ताकि वे खिलाड़ियों को सट्टेबाजी से बचाने के लिए उचित नियम और प्रोटोकॉल लागू करें।

इसके अलावा, बच्चों और युवाओं को यह सिखाना चाहिए कि गेमिंग केवल मनोरंजन के लिए किया जाए, न कि पैसों की कमाई का एक तरीका बनाया लिया जाए। अलग-अलग जगहों पर विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अनेक स्तर पर इसके खिलाफ मुहीम भी चलाई जा रही है। पर विडम्बना यह है कि इस मुहीम में इनका साथ देने के बजाए कई नामी गिरामी चेहरे अपने निजी लाभ के लिए इसका प्रचार करते दिख जाते हैं। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि ऑनलाइन गेमिंग मनोरंजन का एक माध्यम हो सकता है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करना किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है। यह समाज और परिवारों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है, और इसे नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। यदि हम इस मुद्दे पर समय रहते सचेत नहीं होते हैं, तो यह न केवल नयी पीढ़ी के व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करेगा, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी बाधा उत्पन्न करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैटजीपीटी को सब्सक्राइबर बढ़ने से घाटा?

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआईचैटबाट के सब्सक्राइबर तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उसी तेजी के साथ कंपनी का घाटा भी बढ़ रहा है। कंपनी के सह संस्थापक सैम आलटमैन का कहना है। सब्सक्राइबर बढ़ाने के कारण कंपनी को नुकसान हो रहा है। चैट जीटीपी का सालाना सब्सक्राइबर शुल्क भारत में करीब 17000 रुपए प्रति वर्ष है। भारत में तेजी के साथ सब्सक्राइबर बढ़ रहे हैं। जिसके कारण चैट जीपीटी कंपनी की लागत बढ़ती चली जा रही है। ग्राहकों को प्रीमियम सुविधा देने के लिए ओपन एआई की कंप्यूटिंग लागत पर कंपनी को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। कंपनी के इस बयान के बाद ऐसा लग रहा है कि कंपनी भारत में अपना शुल्क बढ़ाने की तैयारी कर रही है। भविष्य में सालाना सब्सक्रिप्शन और भी महंगा हो सकता है।

छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटरों ने बेचे 1.2 लाख करोड़ के शेयर

आम निवेशकों में दहशत, निवेशकों मे सुरक्षित निकलने की होड़

मुंबई । छोटी एवं मध्यम कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटर और उनके छोटे निवेशक इन दिनों बिकवाली कर रहे हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में मंदी और बिकवाली का बड़ा दौर देखने को मिल रहा है। प्रमोटरों के शेयर बिकने के बाद छोटे निवेशकों में भगदड़ मच गई है। अब मुनाफे की जगह छोटे निवेशक अपने निवेश को बचाने के चक्कर में शेयर बेचकर बाहर निकलना चाहते हैं। 2023 के दिसंबर माह से सितंबर 2024 के बीच में 384 मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रमोटर अपने शेयर बड़े पैमाने पर बेच चुके हैं। डीएसपी म्युचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार विचार स्मॉल कैप और मिड कैप कंपनियों के 4 प्रमोटर मे एक प्रमोटर ने अपने इक्विटी शेयरों की शुद्ध विकवाली की है। बाजार में प्रमोटरों ने अपने 1.2 लाख करोड रुपए के शेयर बेच दिए हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति देखने को मिल रही है।

वीआई ने की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी

नई दिल्ली । अपने नेटवर्क को बेहतर बनाने और ग्राहकों को मजबूत कनेक्टिविटी देने के लिए वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग जैसी प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 2024 में वीआई ने 46,000 नए साइट्स जोड़कर अपने नेटवर्क का बड़ा विस्तार किया और 58,000 लोकेशन्स पर नेटवर्क की क्षमता को मजबूत किया। कंपनी ने अगले तीन सालों में हजारों नए साइट्स लगाने की योजना बनाई है, जिससे यूजर्स को पहले से बेहतर अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इनडोर कवरेज प्लस टेक्नोलॉजी ने घर और ऑफिस में भी कनेक्शन की गुणवत्ता को और बेहतर बना दिया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए कंपनी ने स्पैम डिटेक्शन फीचर लॉन्च किया, जिससे अनचाहे कॉल और मैसेज को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही, वीआई ने लाइंसगेट प्ले के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को प्रीमियम ओटीटी कंटेंट का भी लाभ मिलेगा। कंपनी के इन प्रयासों का सकारात्मक असर शेयर बाजार में भी दिखा। वीआई का शेयर 2.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ रुपए 8.07 पर बंद हुआ। कंपनी के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने ग्राहकों का धन्यवाद करते हुए कहा, आपके भरोसे ने हमें हर दिन बेहतर करने की ताकत दी है। 2025 में और भी रोमांचक चीजें आने वाली हैं, इसलिए जुड़े रहें। वीआई के ये प्रयास कंपनी के बाजार में मजबूत स्थिति बनाने और ग्राहकों को उन्नत सेवाएं देने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने बताया

मुंबई ।

देश में चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच दोपहिया तथा यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा, 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई था। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा, वर्ष 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र तथा राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा।'' उन्होंने बताया कि कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल तथा मजबूत ग्रामीण मांग ने वृद्धि को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं तथा बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रहीं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 इकाई रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 इकाई हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 इकाई थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 इकाई पर स्थिर रही।

सप्लाई तेज होने से गिर रहे हैं हरी सब्जियों के दाम

नई दिल्ली । ठंड के मौसम में सप्लाई तेज होने से हरी सब्जियों के दाम अब गिरने लगे हैं। लोगों को अब बढ़ी हुई हरी सब्जियों की कीमतों से राहत मिलने लगी है। गोभी, मटर, आलू, मूली और गाजर जैसी हरी सब्जियों की नई खेप और बढ़ी हुई सप्लाई के चलते इनके दाम में गिरावट आई है। गोभी से लेकर हरी मिर्च, मूली, पालक सहित कई मौसमी सब्जियां सस्ती होने से बड़ी राहत मिली है। कारोबारियों का कहना है कि टमाटर, जो एक हफ्ते पहले 40 रुपए प्रति किलो बिक रहा था, अब 20 रुपए में उपलब्ध है। आलू और अन्य सब्जियों की कीमतों में भी कमी देखी जा रही है और आने वाले दिनों में इनके रेट्स में और गिरावट की उम्मीद है। हालांकि, आने वाले दिनों में आलू, टमाटर, शिमला मिर्च, मटर से लेकर बींस के भी रेट और कम हो सकते हैं। हफ्ते भर पहले 40 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से बिकने वाला टमाटर सोमवार को रिटेल में 20 रुपए प्रति किग्रा के हिसाब से मिला। इसके अलावा 100 रुपए में ढाई किग्रा मिलने वाला आलू अब 100 में चार किलोग्राम मिल रहा है।

वित्त वर्ष 2024-25 में बैंकों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली ।

खराब परिसंपत्तियों में वृद्धि के चलते वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय बैंकों की लाभप्रदता पर असर पड़ सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 बैंकों के लिए मुनाफे का चरम साल था, लेकिन अब यह लाभप्रदता टर्निंग पॉइंट पर है और अगले वित्तीय वर्ष में इसमें और कमी की आशंका है। एजेंसी के प्रमुख और निदेशक (वित्तीय संस्थान) करण गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों की लाभप्रदता पर ऋण चूक और बढ़ती ऋण लागत का दबाव रहेगा। उन्होंने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता पर दबाव मुख्य रूप से बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज जोखिम से उत्पन्न होगा, हालांकि इसका कोई प्रणालीगत प्रभाव नहीं होगा। रेटिंग एजेंसी ने 50,000 रुपये से कम के खुदरा असुरक्षित कर्ज को बैंकों के कुल कर्ज का 0.4 प्रतिशत बताया और कहा कि केवल 3.6 प्रतिशत कर्ज ऐसे हैं जिनकी उधारी दर 11 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि, ऋण वृद्धि की गति धीमी होने की संभावना जताई गई है, और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रणालीगत ऋण वृद्धि अनुमान को 15 प्रतिशत से घटाकर 13-13.5 प्रतिशत कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि बढ़ती कर्ज चूक, पिछली बढ़ोतरी और लेखांकन नीतियों में बदलाव के कारण अगले वित्त वर्ष में बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.10 प्रतिशत तक घट सकता है। साथ ही, ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर भी कम होने का अनुमान है। गुप्ता ने परिसंपत्ति गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत ऋण, बिना गारंटी वाले व्यावसायिक ऋण और सूक्ष्म-वित्त पर दृष्टिकोण को स्थिर से घटाकर बिगड़ता हुआ कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस दबाव को संभालना संभव है और इसका कोई बड़ा व्यवस्थित प्रभाव नहीं होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों में हुए नुकसान से आयी है। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे भी बाजार नीचे आया। अमेरिकी बाजारों में कमजोरी से भी बाजारों पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में सेंसेक्स 50.62 अंक तकरीबन 0.06फीसदी नीचे आकर 78,148.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में निफ्टी 18.95 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी नीचे आकर 23,688.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर निवेशक बाजार से दूर रहे। इन परिणामों की शुरुआत 9 जनवरी को टीसीएस के साथ होगी। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुआ। इसका प्रभाव भी एशियाई बाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा।

दिसंबर में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में तेजी और नवंबर में नयी नौकरियों में बढ़त के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। इससे तय है कि इफेडरल रिजर्व 2025 में ब्याज दरों में कम बार कटौती करेगा। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी दिग्गज टीसीएस और आईटीसी के शेयरों में तेजी ने बाजार को दिन की बड़ी गिरावट से संभाला। इंट्रा-डे ट्रेड में सेंसेक्स 700 से ज्यादा अंक गिर गया था।

डाबर इंडिया और हीरो मोटोकॉर्प समेत अन्य कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणामों के उम्मीद अनुसार नहीं रहने से भी बाजार नीचे आया। निवेशकों को डर है कि तीसरी तिमाही में कॉर्पोरेट परिणाम पिछली (दूसरी) तिमाही से बेहतर होंगे या नहीं। बता दें कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे पिछले चार वर्षों में सबसे खराब थे।

जानकारों के अनुसार कंपनियों की आय में कमी और महंगे वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं घरेलू बाजारों पर दबाव डाल रही हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 78,319 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर इसमें गिरावट आने लगी। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सकारात्मक शुरुआत के साथ खुला। मगर खुलने के कुछ ही देर में यह गिरावट में चला गया।

वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट में बंद हुए। इसका असर एशियाई बाजारों के साथ घरेलू बाजार पर भी पड़ा है। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी और नवंबर में नयी नौकरियों में वृद्धि के आंकड़े जारी होने के बाद वॉल स्ट्रीट पर गिरावट आई है। ये आंकड़ों संकेत देते है कि फेडरल रिजर्व 2025 में ब्याज दरों में कम कटौती करेगा।

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में प्रमुख तकनीकी शेयरों की कमजोरी से गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.11 फीसदी गिरा, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.42 फीसदी की गिरावट रही, और नैस्डैक कंपोजिट 1.89 फीसदी नीच आया।

वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

अरबपति बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में किया 3730 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने परिवहन क्षेत्र में 3730 करोड़ रुपए यानी 373 मिलियन डॉलर का बड़ा निवेश किया है। गेट्स ने यह कदम ऐसे उठाया है जब यह क्षेत्र चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उनका मानना है कि 2025 में इस क्षेत्र में शानदार वापसी करेगा। गेट्स ने फेडएक्स और पेसकर कंपनियों में एक-एक मिलियन शेयर खरीदे। फेडएक्स में निवेश की कुल राशि 2730 करोड़ रही, जबकि पेसकर में 1000 करोड़ यानी 100 मिलियन डॉलर का निवेश किया।

पेककर, जो पेटरबिल्ट और केनवॉर्थ जैसे प्रसिद्ध ट्रक ब्रांड्स का निर्माता है, वैश्विक क्लास 8 ट्रक बाजार में 31.1 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। ये ट्रक भारी माल ढुलाई के लिए जाने जाते हैं। वहीं फेडएक्स एक प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनी है, जो अपने ड्राइव पहल के तहत परिचालन को सुव्यवस्थित करने और लागत में कटौती की योजना पर काम कर रही है। 2024 में एसएंडपी 500 ट्रांसपोटेक्शन इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि एसएंडीपी 500 में 23 फीसदी की बढ़त हुई। इसके बावजूद बिल गेट्स को परिवहन क्षेत्र में आर्थिक सुधार और ब्याज दरों में गिरावट के कारण मांग बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि गेट्स का यह निवेश इस क्षेत्र के दीर्घकालिक लचीलापन पर उनके भरोसे को दर्शाता है। पेसकर और फेडएक्स दोनों कंपनियां परिवहन और लॉजिस्टिक्स की बढ़ती मांग से लाभ उठाने के लिए स्थिति में हैं। बिल गेट्स के पास वर्तमान में 8515 अरब रुपए यानी 103.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचकर निवेश किया। उनकी परोपकारी संस्था बिल एंड मेलिंडा गेस्ट फाउंडेशन का पोर्टफोलियो 3735 अरब रुपए यानी 45 बिलियन डॉलर का है।

मारुति और टोयोटा की इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में साल 2025 में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रतिस्पर्धा एक नए स्तर पर पहुंचने वाली है। मारुति और टोयोटा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जबकि लगभग 12 अन्य ऑटो निर्माता 30 से अधिक नए ईवी मॉडल पेश करेंगे। फिलहाल भारतीय बाजार में 7 लाख से 2.15 करोड़ रुपये तक की 45 इलेक्ट्रिक कारें उपलब्ध हैं। नई ईवी कारें 500 किमी से अधिक की रेंज प्रदान करने में सक्षम होंगी और इनकी अनुमानित कीमत 19 लाख रुपये के आसपास होगी। इंटरनेट-कनेक्टेड और प्रीमियम फीचर्स वाली कारों की मांग बढ़ रही है, जो पिछले साल की कुल कार बिक्री का 40 प्रतिशत हिस्सा थी। 2024 में कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 2.53 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2023 में 2.32 प्रतिशत थी। 2025 में यह हिस्सेदारी दोगुनी होकर 4.61 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। ईवी के बढ़ते प्रभाव के बीच, सीएनजी वाहनों की बिक्री में 38.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि ईवी बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी। डीजल वाहनों की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन पेट्रोल वाहनों की बिक्री में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में बैटरी की कीमतों में 23 प्रतिशत की कमी आई है और 2025 में इसके और 20 प्रतिशत कम होने की संभावना है। इसका मतलब है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमत पेट्रोल कारों के करीब आ सकती है।

जन औषधि केंद्रों ने नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ से ज्यादा की दवाइयां बेची

-पीएमओ ने कहा- इन आउटलेट्स से नागरिकों को 5,020 करोड़ की हुई बचत

नई दिल्ली।

जन औषधि केंद्रों से नवंबर 2024 तक 1255 करोड़ रुपए से ज्यादा की दवाइयों की बिक्री हुई। यह जानकारी पीएमओ द्वारा दी गई। सोशल मीडिया एक्स पर पीएमओ ने कहा कि इन आउटलेट्स के जरिए दवाइयों की खरीद करने से नागरिकों को 5,020 करोड़ रुपए की बचत हुई। जन औषधि केंद्र आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराते हैं। इसकी स्थापना प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत की गई थी, जो नवंबर 2008 में शुरू की गई एक जन कल्याणकारी योजना है। इस योजना को फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के जरिए क्रियान्वित किया जाता है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि नवंबर 2024 तक देशभर में 14,320 जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। 2023-24 में पीएमबीआई ने 1,470 करोड़ रुपए की दवाइयों की बिक्री दर्ज की थी, जिससे नागरिकों को 7,350 करोड़ रुपए की बचत हुई थी। पिछले दस सालों में इस परियोजना के तहत करीब 30 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है। 2024 में पीएमबीजेपी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स के साथ कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे सीएपीएफ, एनएसजी और एआर (एमएचए) अस्पतालों में जन औषधि दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा मॉरीशस में पहला विदेशी जन औषधि केंद्र खोला गया। मंत्रालय ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने भी चालू वित्त वर्ष में 500 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ फार्मास्युटिकल उद्योग को मजबूत करने के लिए एक योजना लागू की है। इस योजना का उद्देश्य देश में मौजूदा फार्मा क्लस्टरों और एमएसएमई को उनकी उत्पादकता, गुणवत्ता और एमएसएमई क्लस्टरों में सुधार करने के लिए सहायता प्रदान करना है।

सेबी की फटकार के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 5 फीसदी लुढ़के

सोशल मीडिया पर योजनाओं का खुलासा करने पर चेयरमैन को दी हिदायत

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर आज यानी बुधवार को शुरूआती कारोबार में बीएसई पर 5 फीसदी लुढ़क गया। ईवी कंपनी के शेयरों में यह गिरावट मार्केट रेगुलेटर सेबी की फटकार के बाद आई। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को फटकार लगाई है। रेगुलेटर ने नियमों के उल्लंघनों पर कंपनी को चेतावनी लेटर भी जारी किया है।

ओला इलेक्ट्रिक की रेगुलेटरी फाईलिंग के मुताबिक कंपनी को मंगलवार को ईमेल के जरिए सेबी ने यह भेजा। यह लेटर इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के एक्सचेंजों को सूचित करने से पहले एक्स पर अपनी योजनाओं का खुलासा करने के चलते मिला है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस चेतावनी के कारण कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक ने कॉर्पोरेट एक्शन की बजाय सोशल मीडिया एक्स पर अपनी योजनओं का पहले खुलासा कर दिया। लेटर में ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन को इस संबंध में आगे से ऐसा न करने की हिदायत दी है। नियमों के मुताबिक सभी खुलासे पहले स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करना है और वह 12 घंटों के भीतर। सेबी ने कहा कि इससे उन शर्तों का भी उल्लंघन हुआ कि सभी निवेशकों को समय पर समान रूप से सूचित करना चाहिए। सेबी ने लेटर में कहा कि पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचना प्रसारित करने में विफल रहने और इसके बजाय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी घोषणा करने से आप सभी निवेशकों के लिए जानकारी तक समान और समय पर पहुंच प्रदान करने में विफल रहे हैं।

सेबी के इस एक्शन के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में बुधवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर इंट्रा-डे ट्रेड में 5 फीसदी तक फिसल गया। सुबह 10 बजे यह 3.53 रुपए या 4.46 फीसदी गिरकर 75.63 रुपए प्रति शियर के भाव पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 9 अगस्त, 2024 को स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के एक हफ्ते के बाद कंपनी के शेयर ऑल टाइम हाई 157.53 रुपए तक पहुंच गए थे। हालांकि, तब से कंपनी के शेयर करीब 20 फीसदी गिर चुके हैं।

2024 में कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत रहा

-फाडा ने कहा-दोपहिया में आपूर्ति, नए मॉडल और ग्रामीण मांग से हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दोपहिया और यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में मोटर वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा है कि 2024 में कुल वाहन पंजीकरण 2,61,07,679 इकाई रहा, जबकि 2023 में यह 2,39,28,293 इकाई रहा था। फाडा के अध्यक्ष कहा कि 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र और राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मोटर वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल और मजबूत ग्रामीण मांग ने बढ़ोतरी को बढ़ावा दिया, हालांकि वित्तीय बाधाएं और बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रतिस्पर्धा चुनौतियां पेश करती रही हैं। यात्री वाहनों की बिक्री 2024 में 40,73,843 रही, जो 2023 में 38,73,381 इकाई की तुलना में पांच फीसदी ज्यादा है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी से बढ़कर 2024 में 1,89,12,959 हो गई। 2023 में यह 1,70,72,932 थी। वहीं तिपहिया वाहनों का पंजीयन सालाना 11 फीसदी से बढ़कर 12,21,909 इकाई हो गया जो 2023 में 11,05,942 इकाई रहा था। ट्रैक्टर की बिक्री में सालाना आधार पर तीन फीसदी की वृद्धि देखी गई और यह 8,94,112 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2024 में 10,04,856 पर स्थिर रही। वहीं दिसंबर में फाडा के मुताबिक मोटर वाहन क्षेत्र की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी घटकर 17,56,419 इकाई रही। दिसंबर 2023 में 14,54,353 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 18 फीसदी से घटकर 11,97,742 इकाई रह गया। दिसंबर 2023 में 2,99,351 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी दो फीसदी घटकर 2,93,465 इकाई रह गई थी।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा क्रेटा ईवी

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर्स के बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी क्रेटा ईवी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में लॉन्च किया जाएगा। हुंडई क्रेटा ईवी में दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। पहला 42 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो 390 किलोमीटर की रेंज देगा, और दूसरा 51.4 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जिसकी रेंज 473 किलोमीटर तक होगी।

क्रेटा ईवी चार वेरिएंट्स एक्जीक्यूटिव, स्मार्ट, प्रीमियम और एक्सीलेंस में उपलब्ध होगी। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.9 सेकंड में पकड़ सकती है। हालांकि, इसके इलेक्ट्रिक मोटर के स्पेसिफिकेशंस अभी साझा नहीं किए गए हैं। डिजाइन की बात करें तो क्रेटा ईवी का लुक पेट्रोल और डीजल वर्जन जैसा है, लेकिन इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल का टि्वस्ट दिया गया है। इसमें व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) सपोर्ट, लेवल-2 अडास फीचर्स (जैसे एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट), 360-डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में डीसी फास्ट चार्जर है, जो 10-80प्रतिशत चार्जिंग मात्र 58 मिनट में कर सकता है। 11 केडब्ल्यू एसी चार्जर के जरिए यह 4 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो सकती है।

यह इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा कर्व ईवी, महिंद्रा बीई 6, एमजी ज़ेडएस ईवी और आगामी मारुति ई विटारा जैसे मॉडल्स को कड़ी टक्कर देगी। फ्रंट फेसिया क्रेटा एन लाइन से प्रेरित है, जिसमें ब्लैंक्ड-ऑफ ग्रिल और ग्लॉस ब्लैक क्यूबिकल एलिमेंट्स हैं। चार्जिंग पोर्ट हुंडई के लोगो के नीचे, बीच में स्थित है। इसमें 17-इंच के एयरोडायनामिक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। हुंडई क्रेटा ईवी में ड्यूल-टोन इंटीरियर, पैनोरमिक सनरूफ, दो डिजिटल डिस्प्ले और लोअर सेंटर कंसोल में नए कंट्रोल्स हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर आईसीसी की रेटिंग आई सामने

सिडनी (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की पांच में से चार पिचों को आईसीसी ने 'बेहतरीन' करार दिया है जबकि सिडनी में पांचवें और आखिरी टेस्ट की पिच को 'संतोषजनक' रेटिंग मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पांच मैचों की श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया ने 3.1 से जीती और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पर्थ के आप्टस स्टेडियम की पिच, एडीलेड ओवल, ब्रिसबेन में गाबा की पिच और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच को ऊंची रेटिंग मिली है। वहीं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच को 'संतोषजनक' बताया गया है।

सिडनी की पिच इस बार गेंदबाजों की मददगार थी और दोनों पारियों में बल्लेबाज जूझते नजर आए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट परिचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा, 'हम हमेशा कोशिश करते हैं कि ऐसी पिचें तैयार करें जो उस मैदान की खूबी बताती हो और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ऐसा ही होता आया है।'

उन्होंने कहा, 'हम ऐसी पिचें नहीं तैयार करते जो मेजबान टीम के अनुकूल हो या हमारी मदद करे। हम चाहते हैं कि बल्ले और गेंद के बीच अच्छी स्पर्धा हो और नतीजा निकले। तैयारियों पर मौसम का असर पड़ा और हमें पता है कि सबसे कुशल क्यूरेटर भी विपरीत मौसम से प्रभावित होते।' सिडनी की पिच को लेकर जहां सुनील गावस्कर ने कहा कि यह आदर्श पिच नहीं थी वहीं भारतीय कोच गौतम गंभीर ने इसे 'मसालेदार' और टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छी बताया।

बुमराह सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी के दिसंबर 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए चयनित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस और और दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज गेंदबाज डेन पैटरसन को आईसीसी ने दिसंबर 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए चयनित किया है। भारतीय टीम के बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे अधिक 32 विकेट लिए। उनके सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे। उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 14.22 की शानदार औसत से विकेट लिए। कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। कमिंस ने तीन टेस्ट मैचों में 17.64 की शानदार औसत से 17 विकेट लिए हैं।

कमिंस ने इसके अलावा बल्लेबाजी में भी 49 और 41 रन बनाये।

ब्रिस्बेन और मेलबर्न में बुमराह ने 9-9 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी से ही भारतीय टीम अंत तक मैच में बनी रही। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेन पैटरसन ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके अपनी टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह दिलायी। पैटरसन ने दो टेस्ट में 16.92 की औसत से 13 विकेट लिए। पैटरसन ने श्रीलंका के खिलाफ 71 रन देकर पांच विकेट और पाकिस्तान के खिलाफ 61 रन देकर 5 विकेट लिए।

रबाडा को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत की उम्मीद

केपटाउन (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में मिली 10 विकेट की जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को उम्मीद है कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा देगी। रबाना ने कहा कि हम जानते हैं कि लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया पर कैसे जीत हासिल की जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने केपटाउन में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही 2-0 से सीरीज जीती है। मेजबान टीम ने इस सीरीज के पहले मैच में जीत के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भी प्रवेश हासिल कर लिया है।

रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट लिए थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अभी समय है पर इतने बड़े टूर्नामेंट के लिए हमेशा तैयार रहने की जरुरत होती है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया एक जैसा क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए अच्छी प्रतिद्वंद्विता भी रहती है। हम हमेशा कड़ी मेहनत से खेलते हैं और वह हमें कड़ी टक्कर देते हैं, यह हम जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम उन्हें हराना भी जानते हैं। टेस्ट क्रिकेट हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रारूप है, जो हम अभी खेल रहे हैं। जब आप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट और हमारे सभी दिग्गजों को देखते हैं तो वह सभी महान टेस्ट क्रिकेटर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर हैं जो पाक के खिलाफ सीरीज में दिखा है। पाकिस्तान को हराने के बाद दक्षिण अफ्रीका आईसीसी अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। उसके अब 69.44 प्रतिशत अंक हो गए हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया 63.73 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए कोई टेस्ट मैच निर्धारित नहीं होने के कारण टीम के कोच शुकरी कॉनराड अभ्यास के लिए आयरलैंड या अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित करने का प्रयास कर रहे हैं।

रचिन रविंद्र और मार्क चैपमैन की शानदार बल्लेबाजी, न्यूजीलैंड की श्रीलंका पर बड़ी जीत

हैमिल्टन (एजेंसी)। रचिन रविंद्र (79), मार्क चैपमैन (62) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को वर्षा बाधित मैच दिन-रात्रि एकदिवसीय मुकाबले में श्रीलंका को 113 रनों हरा दिया हैं। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

न्यूजीलैंड के 255 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 22 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिए। पथुम निसंका (एक), कुसल मेंडिस (दो), अविष्का फर्नांडो (10) और कप्तान चरित असलंका (चार) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जनित लियानगे ने कामिंडु मेंडिस के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 17वें ओवर में नेथन स्मिथ ने जनित लियानगे (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 25वें ओवर में चामिंदु विक्रमासिंघे (17) रनआउट हुए।

वानिंदु हसरंगा (एक), महीश तीक्षणा (छह) और एहसान मलिंगा (चार) रन बनाकर आउट हुए। कामिंडु मेंडिस ने श्रीलंका के लिए सर्वाधिक (64) रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका की पूरी टीम 30.2 ओवर में 142 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को उनकी 79 रनों की बेहतरीन पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच% से नवाजा गया। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम ओरूर्क ने तीन, जेकब डफी ने दो विकेट लिये। मैट हेनरी, नेथन स्मिथ और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के खलल के कारण मैच 37-37 ओवर का दिया गया था।

बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज विल यंग (16) का विकेट गवां दिया। उन्हें ए फर्नांडो ने आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए मार्क चैपमैन ने रचिन रविंद्र के साथ दूसरे विकेट के लिए 112 रन जोड़े। 20वें ओवर में महीश तीक्षणा ने मार्क चैपमैन 52 गेंदों में (62) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 23वें ओवर में हसरंगा ने रचिन रविंद्र 63 गेंदों में (79) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। टॉम लेथम (एक) रनआउट हुए। ग्लेन फिलिप्स (22), कप्तान मिचेल सैंटनर (20) और डैरिल मिचेल (38) रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए निचले क्रम के बल्लेबाजों को सस्ते में आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। न्यूजीलैंड ने अपने आखिरी चार विकेट मात्र आठ रन जोड़कर गवां दिए। न्यूजीलैंड की टीम 37 ओवर में 9 विकेट पर 255 रन का स्कोर बना सकी। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा ने चार विकेट लिये। वानिंदु हसरंगा को दो विकेट मिले। एहसान मलिंगा और असिता फर्नांडो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सचिन को नहीं जानती सुशीला मीना

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गत दिनों एक छोटी सी लड़की सुशीला मीना की प्रशंसा करते हुए कहा था कि उसका गेंदबाजी एक्शन जहीर खान जैसा है। इसके साथ ही सचिन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस लड़की के गेंदबाजी करने की वीडियो भी साझा की थी। इसके बाद से ही ये लड़की सोशल मीडिया पर छा गयी थी। वहीं जब इस लड़की सुशीला का कहना है कि वह किसी सचिन तेंदुलरक के बारे में नहीं जानती। सचिन के इस वीडियो को देखने के बाद ही राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) ने गत दिनों ही सुशीला को ट्रेनिंग के लिए गोद लेने का फैसला किया था। 12 साल की सुशीला राजस्थान के रामेर तालाब गांव की रहने वाली हैं और अभी 5वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। उदयपुर के सांसद मन्नालाल रावत और विधायक कन्हैयालाल मीणा ने हाल ही में सुशीला के गांव का दौरा किया और उसके साथ ही उनके माता-पिता से भी बात की। रावत ने कहा कि सही तरह की कोचिंग से सुशीला राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के साथ-साथ राजस्थान को भी पहचान दिलाने की क्षमता रखती है। हाल ही में एक साक्षात्कार में सुशीला ने कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सचिन कौन हैं। उन्होंने कहा था कि मैं नहीं जानती कि तेंदुलकर कौन हैं। सुशीला ने यह भी कहा कि उनके घर पर टेलीविजन नहीं है और उसने कभी क्रिकेट मैच नहीं देखा है।

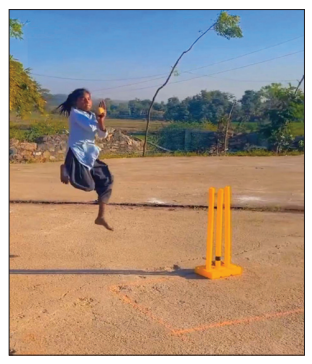

एससीजी जैसी कठिन पिच पहले नहीं देखी : स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने सिडनी (एससीजी) की पिच पर बल्लेबाजी करने को सबसे मुश्किल बताया है। स्मिथ ने कहा कि ऐसी कठिन पिच पर उन्होंने पहले कभी नहीं खेला था। सिडनी केवल एक रन की कमी से अपने 10 हजार रन भी पूरे नहीं कर पाये। स्मिथ को इसके लिए सिडनी में 38 रन की जरूरत थी पर वह पहली पारी में 33 रन पर ही आउट हो गये थे। वहीं दूसरी पारी में वह चार रन बनाकर आउट हो गये थे। इस प्रकार वह एक रन की कमी से से टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे नहीं कर पाये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मैं इस मैच में बेहद खतरनाक गेंद पर आउट हुआ, गेंद अचानक से उछल गयी थी। उन्होंने कहा कि 10 हजार टेस्ट रन तक नहीं पहुंचनने से वह निराश नहीं है क्योंकि टीम को मैच में जीत मिली। उन्होंने कहा कि यह एससीजी की सबसे कठिन पिच थी। गेंद को सीम से मदद मिल रही थी और यह काफी स्विंग हो रही थी। मैं पहले कभी एससीजी में इस तरह के विकेट पर नहीं खेला था। यहां बल्लेबाजी करना अविश्वसनीय रूप से कठिन था। इस सीरीज में स्मिथ ने दो शतक लगाये हैं। उनका कहना है कि ये सीरीज काफी अच्छी रही। साथ ही कहा कि भारत एक अविश्वसनीय रुप से कठिन टीम है। हमें इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह की खतरनाक गेंदबाजी का सामना करना पड़ा हालांकि अंत में परिणाम हमारे पक्ष में रहा।

महिला हॉकी इंडिया लीग से जूनियर खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी : सविता पूनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉस एंजीलिस ओलंपिक 2028 तक खेलने की उम्मीद जताते हुए भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने कहा कि महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरूआत से जूनियर खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता मिलेगी और अधिक से अधिक युवा हॉकी खेलने के लिए प्रेरित होंगे। महिला एचआईएल का पहला सत्र 12 से 26 जनवरी तक खेला जाएगा।

सविता ने कहा, 'हर खिलाड़ी आर्थिक स्थिरता चाहता है ताकि वह परिवार को तनावमुक्त रख सके, उसकी मदद कर सके और अच्छे उपकरण खरीद सके। हम लंबे समय से राष्ट्रीय टीम में हैं और जब भी हम पदक जीतते हैं तो सरकार हमें पुरस्कार देती है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन जब एक जूनियर

खिलाड़ी को इतना पैसा मिलता है तो उसे किसी तरह का वित्तीय तनाव नहीं रहता। वह अपने खेल पर फोकस कर सकती है। माता-पिता भी अब निश्चिंत हो सकते हैं कि हॉकी में भविष्य है और बच्चे इसमें करियर बना सकते हैं।'

भारत के लिए करीब 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी 34 वर्ष की सविता ने कहा कि उनका संन्यास लेने का इरादा नहीं है और वह लॉस एंजीलिस ओलंपिक 2028 खेलना चाहती है बशर्ते फिट रहे और खेल का मजा लेती रहे। उन्होंने कहा, 'मैं अगला ओलंपिक खेलना चाहती हूं। मेरे माता पिता ने हमेशा मेरे फैसलों का समर्थन किया और अब शादी के बाद सास ससुर और पति भी मेरा पूरा साथ दे रहे हैं। मैं किस्मतवाली हूं।'

उन्होंने कहा, 'फिलहाल फोकस 2026 विश्व कप और एशियाई खेलों पर है। दोनों परिवारों ने मुझसे कहा है कि अगर मैं ओलंपिक खेलना चाहती हूं तो वे मेरे साथ है। मुझे अपनी उम्र बताने में कोई हिचक नहीं होती। अगर मैं फिट रही और खेल का मजा लेती रही तो जरूर खेलूंगी।'

विराट और रोहित पर है रणजी खेलने का दबाव

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी घरेलू क्रिकेट खेलने का दवाब है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की हार के बाद पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने तो यहां तक कहा था कि अगर जो खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं तो उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। गावस्कर ने यहां तक कहा कि उन्हें 23 जनवरी का इंतजार है। वे देखना चाहेंगे कि ये खिलाड़ी रणजी मैच खेलते हैं। ऐसे में अब विराट और रोहित को अपनी-अपनी घरेलू टीमों से खेलना ही होगा। भारतीय क्रिकेट टीम 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी पर विराट और रोहित दोनो ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है। इसलिए इनके पास रणजी ट्रॉफी में खेलने का अवसर भी है। रणजी ट्रॉफी का इसका पहला हाफ अक्टूबर-नवंबर में खेला गया था। अब इसके बाकी बचे मैच इसी माह 23 जनवरी से शुरू हो रहे हैं. इसमें दिल्ली का मुकाबला सौराष्ट्र से जबकि मुंबई का मुकाबला जम्मू कश्मीर से होगा। ऐसे में अगर विराट घरेलू क्रिकेट में दिल्ली से खेलते हैं तो उनका सामना चेतेश्वर पुजारा से होगा। पुजारा सौराष्ट्र की ओर से खेलते हैं। विराट ने अंतिम बार रणजी मुकाबला साल 2012 में खेला था। वहीं पुजारा नियमित तौर पर रणजी मैच खेलते रहे हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में बदलाव की अधिक संभावना नहीं

-रोहित रहेंगे कप्तान पर शुभमन को उपकप्तानी से हटाया जाना तय

मुम्बई (एजेंसी)। आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा रविवार को हो सकती है। इसमें टीम में कोई बड़ा बदलाव किये जाने की उम्मीदें नहीं हैं पर शुभमन गिल को उपकप्तानी से हटाया जा सकता है। भारत ने 2024 में एक ही एकदिवसीय सीरीज खेली थी। इस सीरीज में रोहित शर्मा कप्तान जबकि शुभमन गिल उप कप्तान थे। अब 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी में भी रोहित ही कप्तान रह सकते हैं पर शुभमन को टीम में जगह मिलना तय नहीं है। इसका कारण ये है कि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वहीं यशस्वी जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश की है। जिस प्रकार यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पारी की शुरुआत करते हुए टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उससे वह अब एकदिवसीय के लिए भी प्रबल दावेदार के

तौर पर उभरे हैं। माना जा रहा है कि यशस्वी को एकदिवीय टीम में भी जगह मिल सकती है। अगर यशस्वी को टीम में जगह मिलती है तो शुभमन को बाहर होना पड़ेगा। यशस्वी ने अब तक एक भी वनडे मैच नहीं खेला है. वे इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

टीम इंडिया के बाकी बल्लेबाजों और ऑलराउंडर्स के नाम काफी हद तक तय नजर आते हैं। विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर विराट कोहली और श्रेयस अय्यर का चयन पक्का है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और केएल राहुल की जगह पक्की लगती है। ऐसे ही ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को भी जगह मिल सकती है। अगर हार्दिक पंड्या और नीतीश दोनों का चयन होता है तब भारतीय टीम तीन विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ उतरेगी। ये तीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह हो सकते हैं. विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव की दावेदारी पक्की है।

भारत की संभावित टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह।

काराबाओ कप फुटबॉल सेमीफाइनल के पहले चरण में न्यूकैसल ने आर्सेनल को हराया

लंदन । आर्सेनल की टीम को काराबाओ कप फुटबॉल में सेमीफाइनल के पहले चरण में ही 2-0 से हार का सामना करना पड़ा है। न्यूकैसल ने मुकाबले के दौरान आर्सेनल को खेल के हर क्षेत्र में पीछे छोड़ दिया। इससे आर्सेनल के लिए फाइनल की राह बेहद मुश्किल हो गयी है। ऐसे में अब न्यूकैसल यूनाइटेड दूसरे चरण के लिए दो गोल की बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं मैच के 37वें मिनट में अलेक्जेंडर इसाक ने न्यूकैसल की ओर से पहला गोल कर उसे बढ़त दिलाई। यह अलेक्जेंडर का 15 मैचों में 14वां गोल था और न्यूकैसल की ओर से 50वां गोल। उन्होंने यह आंकड़ा केवल 89 मैचों में ही हासिल किया। इसके बाद 51वें मिनट में एंथनी गॉर्डन ने गोल दागकर टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद न्यूकैसल की रक्षापंक्त ने आर्सेनल के हर आक्रमण को विफल कर दिया। इससे न्यूकैसल तेजी से फाइनल की ओर बढ़ा है। न्यूकैसल के खिलाड़ी उत्साहित हैं और अपने घरेलू दर्शकों के सामने फाइनल में जगह पक्की करने कोई कसर नहीं रखेंगे। अब न्यूकैसल का लक्ष्य तीन सीजन में दूसरी बार काराबाओ कप फाइनल में पहुंचना रहेगा। दूसरी ओर आर्सेनल के लिए मुकाबला अच्छा नहीं रहा। अब उन्हें 5 फरवरी को दूसरे चरण में जीत दर्ज करने का प्रयास करना होगा।

शास्त्री और पोंटिंग बोले, शमी को बॉर्डर गावस्कर सीरीज में शामिल करना चाहिये था

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चोट प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उसे बॉर्डर गावस्कर सीरीज के बाद के मैचों में शामिल किया जाना चाहिये था। इन दिग्गजों का कहना है कि शमी के रहने से भारतीय टीम को भी लाभ होता ओर उनकी फिटनेस का भी सही अंदाजा हो जाता। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की इस सीरीज को 3-1 से जीत लिया। पिछले एक साल से टीम से बाहर चल रहे शमी ने टखने की चोट से उबरने के बाद घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेला था। इसके अलावा सैयद मुश्ताक अली टी20 और विजय हजारे एकदिवसीय ट्राफी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। ऐसे में कहा जा रहा था कि उन्हे तीसरे या चौथे टेस्ट में भेजा जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं। एक ओर जहां शमी कहा रहे थे कि वह फिट हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा था कि घरेलू क्रिकेट से उनके घुटने में सूजन आ गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने घुटने की सूजन का हवाला देते हुए मेलबर्न में चौथे टेस्ट से पहले आधिकारिक तौर उनकी वापसी की संभावना को खारिज कर दिया था।

पोंटिंग और शास्त्री दोनों का मानना है कि भारत को शमी को ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर ले जाना चाहिए था। शास्त्री ने कहा, 'मीडिया में चल रही बातों से मैं बहुत हैरान था कि शमी के साथ वास्तव में क्या हुआ था। जब फिट होने की बात आती है तो वह कहां है? मुझे नहीं पता कि वह कितने समय से भारतीय क्रिकेट अकादमी में उबर रहा है। वह किस स्थिति में है इसको लेकर सही बात सामने नहीं आ पा रही थी। वहीं अगर मुझे फैसला करना होता तो मैं उसे ऑस्ट्रेलिया लेकर जाता। अगर वह होता तो हम मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में बेहतर कर सको थे। वहीं पोंटिंग ने भी शास्त्री की बातों का समर्थन करते हुए कहा, 'मुझे वास्तव में हैरानी है कि उसे सीरीज के बीच में टीम में क्यों शामिल नहीं किया गया। वह अगर कम ओवर भी करता तब भी भारतीय टीम को लाभ होता। अगर इस इसी सीरीज में होतो तो परिणाम कुछ अलग हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना

हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

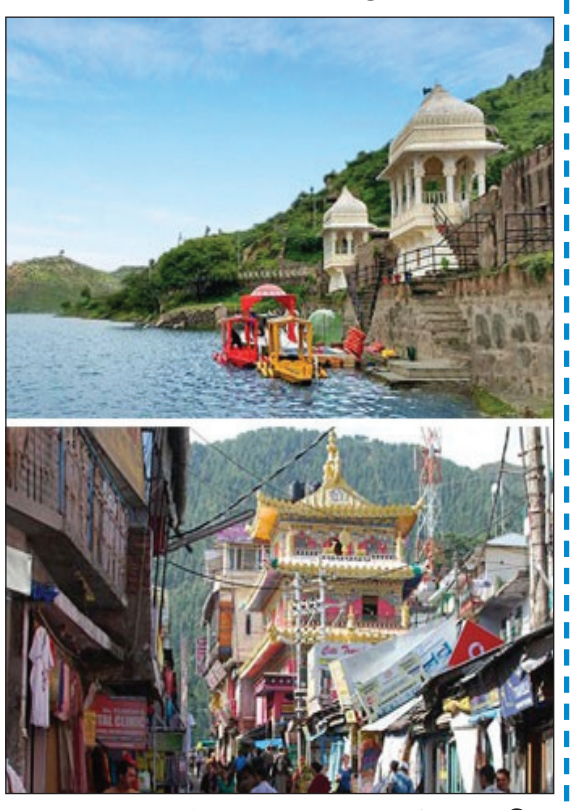

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

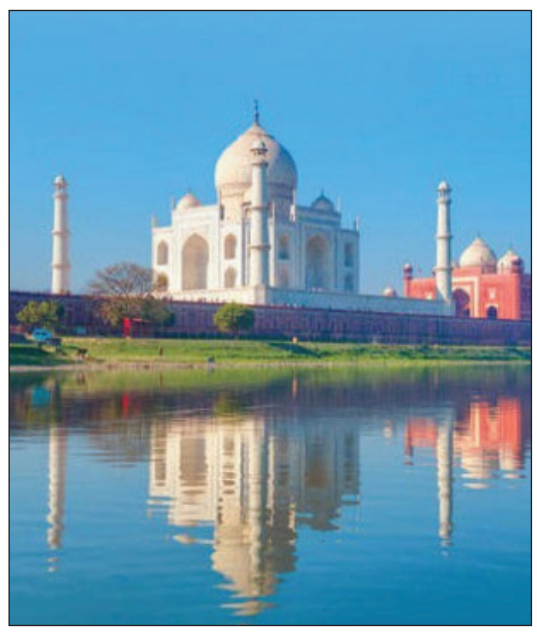

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामलला के दर्शन करने के लिए यूकेजी का छात्र पंजाब से दौड़ा अयोध्या पहुंचा

अयोध्या। श्रीरामलला का दर्शन करने के लिए पंजाब से दौड़ लगाते एक 6 वर्षीय बालक मंगलवार को अयोध्या पहुंचा। एक महीने तेईस दिन में हजार किलोमीटर से अधिक दौड़ पूरी करने वाला यह बालक मंगलवार को भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह बल्ले के अयोध्या फेमिली रेस्टोरेंट लखनऊ मार्ग पर पहुंचा है। बताया जाता है कि मोहब्बत नाम वाले इस बच्चे की रास्ते भर खूब स्वागत व सराहना हुई। छह वर्षीय मोहब्बत ग्राम किलियांवाली पोस्ट अबोहर, तहसील हबोर जिला फाजिल्का, पंजाब का रहने वाला है। वहां बालाजी धाम से एक सैन्य अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर मोहब्बत के दौड़ की शुरुआत कराई। पूरे रास्ते बालक के अभिभावक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय के सम्पर्क में रहे। यह भी पता चला है कि प्रतिष्ठा द्वादशी के दिन इस नन्हे धावक की मुख्यमंत्री से भेंट भी होनी है।

प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलकर कंगना ने कहा, 'आपको 'इमरजेंसी' देखनी चाहिए

मुंबई। अभियन में जलवा बिखेर चुकीं बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनौत इन दिनों राजनीति में सक्रिय हैं। इस बीच कंगना अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज की तैयारी में जुटी हुई हैं। पंगा क्वीन' की फिल्म 1970 में इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान लागू हुई इमरजेंसी पर आधारित है। पिछले साल से कंगना की फिल्म विवादों में घिरी हुई है। दो बार रिलीज टलने के बाद अब फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक को तैयार है। कंगना ने बताया कि उन्होंने संसद में प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात कर उन्हें फिल्म देखने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा, मैं संसद में प्रियंका गांधी वाड्रा से मिली थी और मैंने उनसे कहा कि 'आपको 'इमरजेंसी' देखनी चाहिए। इस पर उन्होंने कहा, 'हां हो सकता है', तब देखते हैं कि क्या वह फिल्म देखना चाहेंगी। कंगना कहती हैं, जब मैंने इंदिरा गांधी के बारे में रिसर्च करना शुरू किया, तब मैंने पाया कि उनके निजी जीवन के बारे में जानने के लिए बहुत सी चाजें थीं। चाहे उनके पति, दोस्तों या विवादास्पद समीकरणों के साथ उनका रिश्ता हो। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा के बारे में कंगना कहती हैं, मैंने खुद से सोचा कि हर व्यक्ति में बहुत कुछ है। लेकिन मैंने इंदिरा गांधी को बहुत गरिमा और संवेदनशीलता के साथ चित्रित किया है और मुझे लगता है कि सभी को यह फिल्म देखनी चाहिए।

बहू से प्रताड़ित बुजुर्ग ने राष्ट्रपति से लगाई इच्छामृत्यू की गुहार

दमोह। यहां बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर 75 वर्षीय एक बुजुर्ग ने बहू की प्रताड़ना से तंग आकर राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। दरअसल, मध्य प्रदेश के दमोह में 75 वर्षीय बुजुर्ग अपनी पत्नी के साथ दमोह कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में पंहुचा और राष्ट्रपति के नाम डीएम सुधीर कुमार कोचर को लिखित आवेदन देकर इच्छा मृत्यु के लिए गिड़गिड़ाते हुये अनुमति मांगने लगा। 75 वर्षीय चमन लाल रैकवार जबेरा तहसील के बनवार गांव का रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि 16 साल पहले उसके बेटे जयंत की शादी अनीता से हुई थी। लेकिन साल 2009 में तालाब में डूबने से बेटे जयंत की मौत हो गई। बेटे की मौत हो जाने के बाद बहू अनीता अपनी सास दुर्गा बाई के करीब दो लाख रुपये के जेवरात लेकर मायके चली गई और दमोह में अपनी मां के साथ रहने लगी। बुजुर्ग चमन लाल ने आरोप लगाते हुए कहा, कुछ समय बाद बहू अनीता मुझसे पैसों की मांग करने लगी और पैसे ना देने पर मुझे और मेरी पत्नी को जेल भेजने की धमकी देने लगी। बहू अनीता की प्रताड़ना से तंग आकर अब मैं जीना नहीं चाहता, बहुत मुश्किल से मैं अपनी व पत्नी का जीवन यापन कर रहा हूं। इस उम्र में अब मजदूरी भी नहीं होती, ऐसे में फिर कहां से लाखों रुपये लाकर बहु को दूं। उन्होंने बताया, डेढ़ एकड़ जमीन जो मेरे पिता से मुझे मिली थी, वह मैं अपने दोनों बेटों को बराबरी से देने के लिए तैयार हूं। इसके बाद भी बहू अनीता हम दोनों को लगातार प्रताड़ित कर रही है। इसलिए अब मैं जीना नहीं चाहता महामहिम से विनती है कि मेरा आवेदन पत्र स्वीकार कर मुझे इच्छा मृत्यु की अनुमति दें।

संभल सर्वे पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, 25 फरवरी को होगी सुनवाई

संभल। यूपी के संभल में विवादित स्थल के सर्वे को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। इससे हिंदू पक्ष को झटका लगा है। यह फैसला मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद आया है। मुस्लिम पक्ष ने सर्वे के खिलाफ अदालत का रुख करते हुए तर्क दिया कि यह सर्वे अनावश्यक है और इससे धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने की आशंका है। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को गंभीरता से लेते हुए निचली अदालत के सर्वे कराने के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 25 फरवरी तय की है। इस दौरान दोनों पक्षों को अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

वायुसेना प्रमुख ने कहा- सीमाओं पर बढ़ता सैन्यीकरण भारत के लिए चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को पूरा करने में एयरोस्पेस क्षेत्र बहुत बड़ा योगदानकर्ता होगा। विवादों और संघर्षों की वजह से वर्तमान में दुनिया में अस्थिरता का माहौल है। लेकिन देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते सैन्यकरण की वजह से भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं हैं। चीन बड़ी तादाद में अपनी वायुसेना पर खर्च कर रहा है। इसमें उसके द्वारा हालिया उद्घाटित स्टेल्थ विमान भी शामिल है। वायुसेनाप्रमुख ने राजधानी में आयोजित एसआईडीएम के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने सी-295 परिवहन विमान निर्माण सुविधा के उद्घाटन पर दिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम ने कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वायुसेना इनमें शामिल प्राथमिक क्षेत्र है और वह हमेशा आत्मनिर्भरता को लेकर बड़े पैमाने पर निवेश करने में आगे रहती है। एयर चीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने बल द्वारा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कई कदमों के बारे में जानकारी दी।

आत्मनिर्भरता की कीमत चुकानी पड़ती है

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि आत्मनिर्भरता के लिए कीमत चुकानी पड़ती है और हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर हमें अधिक मात्रा में चीजें खरीदनी होती हैं। इसमें शोध-अनुसंधान के भाग में सीमित संख्या की वजह से कीमत बढ़ती है। लेकिन हमें आत्मनिर्भरता की बेहद आवश्यकता है। समय सीमा को पूरा न करने की स्थिति में शोध-अनुसंधान का कोई महत्व नहीं रहता है। लेकिन इससे किसी भी शोध के विफल होने पर उसमें शामिल जोखिम को स्वीकार करने की क्षमता बढ़ती है।

गुस्साए हाथी ने शख्स को 4 बार लहराया और फिर 10 फीट दूर उठाकर फेंका

कोच्चि। केरल के मलप्पुरम में एक हाथी ने शख्स को सूंड़ से उठा लिया। फिर हवा में 4 बार लहराकर 10 फीट दूर उठाकर फेंक दिया। पीड़ित को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हादसा स्थानीय उत्सव के दौरान हुआ, इस नेरचा कहते हैं। उत्सव में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। तभी वहां मौजूद 4 हाथियों में एक हाथी भड़क गया। भगदड़ में 17 घायल हैं। मलप्पुरम के तिरूर में हर साल नेरचा उत्सव मनाया जाता है। पलक्कड़ जिले में पट्टांबी मस्जिद में हजारों की संख्या में लोग उत्सव में भाग लेते हैं। बुधवार को भी भीड़ ज्यादा थी। उत्सव के दौरान चार हाथी मंगाए गए थे। चारों हाथी एक लाइन में खड़े थे, हालांकि उनके ऊपर महावत भी था। तभी एक हाथी अचानक आगे की ओर भागने लगा। हाथी के बेकाबू होते ही भगदड़ की स्थिति बन गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। एक शख्स हाथी की सूंड की पकड़ में आ गया। हाथी ने शख्य को उठाया और हवा में लहराने लगा। लोग जब तक कुछ समझ पाते, हाथी ने शख्स को कई फीट दूर उठाकर फेंक दिया। हालांकि बाद में महावत ने हाथी पर काबू पा लिया।

नितिन गडकरी ने अपनी बनवाई सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे करने दिए सुझाव...

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। देशभर में कुल 1,46,145 किमी नेशनल हाईवे हैं। इसके अलावा कई एक्सप्रेसवे भी हैं, जिनसे सफर आसान हो गया है। यही वजह है कि जब चमचमाती सड़कों की बात होती है तो पहला नाम केन्द्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन

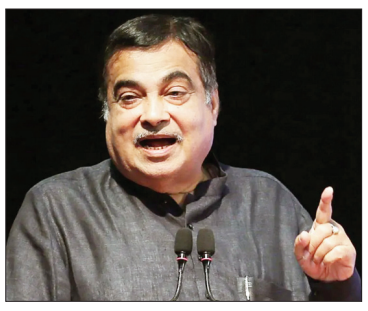

गडकरी का आता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हाईवे और एक्सप्रेसवे का नेटवर्क बिछाने का काम गडकरी ने किया है। लेकिन लोग उस वक्त हैरान हो गए जब गडकरी ने कह दिया इन सड़कों को खुदवा दीजिए।

गडकरी ने बताया कि सरकार सड़क हादसों और इससे होने वाली मौतों को कम करने का लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन उम्मीदों के अनुसार सफलता नहीं मिल रही है। इसके लिए सड़क परिवहन मंत्रालय योजनाएं भी लांच कर चुका है। हादसों को कम करने के मंथन के दौरान एक जानकार ने उनसे कहा कि सड़क हादसों की वजह आप ही है। यह सुनकर गडकरी स्तब्ध रह गए, क्योंकि वे हादसों को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने इसकी वजह पूछी तो सज्जन ने बताया कि आपके सड़कें इतनी अच्छी बनवा दी हैं, इस वजह से वाहन चालक स्पीड से गाड़ी चलाते हैं और हादसा की चपेट में आ जाते हैं। इस तरह गडकरी ने उन्हें हंसते हुए सुझाव दिया कि आप जगह-जगह सड़कों पर गड्ढे करवा दो, जिससे वाहनों की स्पीड और पैदल चलने वालों की स्पीड एक जैसी हो जाए और इस तरह हादसे कम हो जाएंगे।

दिल्ली -मुंबई (1386 किमी।), अहमदाबाद -धोलेरा (109 किमी।), बेंगलुरू-चेन्नई (262 किमी।), लखनऊ कानपुर (63 किमी।) और दिल्ली -अमृतसर- कटरा (669 किमी।) हैं। इनमें से तीन एक्सप्रेसवे दिल्ली -मुंबई, अहमदाबाद -धोलेरा, बेंगलुरू चेन्नई इस साल तैयार हो जाएंगे, जबकि लखनऊ कानपुर और दिल्ली -अमृतसर- कटरा 2026 तैयार होंगे। इन एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 2489 किमी। है।

किसी महिला के शरीर की बनावट पर 'फाइन' कहना, आपको पहुंचा सकता है जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप किसी महिला के शरीर को देखकर 'फाइन' कहते हैं, तब आप जेल जा सकते है। जी हां, केरल हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला के शरीर की बनावट पर 'फाइन' कहकर टिप्पणी करते हैं, तब पहली नजर में यौन उत्पीड़न माना जाएगा। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने एक याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को भी रद्द करने से मना कर दिया।

केरल हाईकोर्ट के जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने याचिकाकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा और केरल पुलिस अधिनियम, 2011 (अधिनियम) की धारा 120 सहित अपराधों के लिए शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से मना कर दिया। वहीं धारा 509 में महिला की लज्जा का अपमान करने के इरादे से किए

गए कृत्यों का जिक्र है।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने बताया कि जब वे केरल राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड के इलेक्ट्रिकल सेक्शन में काम कर रही थी, तब आरोपी ने उसकी बॉडी को देखकर फाइन कहा था। उसकी यह टिप्पणी यौन कुंठा से भरी थी। आरोपी की इस टिप्पणी ने उन्हें परेशान किया था। महिला ने आरोप लगाया गया कि आरोपी ने उसके मोबाइल नंबर पर यौन इशारों वाले मैसेज भेजे थे।

हालांकि, आरोपी ने इसका विरोध किया। आरोपी का तर्क था कि किसी व्यक्ति के शरीर की संरचना की तारीफ करना यौन उत्पीड़न वाली टिप्पणी नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने पहले इन अपराधों पर विस्तार से चर्चा की। फिर धारा 509 का जिक्र कर अदालत ने अपने पिछले फैसले का हवाला दिया। इस मामले में अदालत ने धारा 509 के तहत आने वाले अपराधों पर चर्चा की थी। अदालत ने बताया कि किसी भी महिला पर यौन रंगीन टिप्पणी करने वाला पुरुष यौन उत्पीड़न के अपराध का दोषी है। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता की दलील को खारिज करते हुए कहा, 'मामले के तथ्यों को देखने के बाद यह स्पष्ट है कि अभियोजन पक्ष का मामला पहली नज़र में कथित अपराधों को आकर्षित करने के लिए बनाया गया है।

मिजोरम के नए राज्यपाल वीके सिंह का शपथ ग्रहण समारोह टला, अब 15 को होगा

आइजोल। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल विजय कुमार सिंह का मिजोरम के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण समारोह, जो 9 जनवरी को निर्धारित था, उसे स्थगित कर दिया गया है। अब यह समारोह 15 जनवरी को होगा। इससे पहले, मिजोरम सरकार के अधिकारियों ने कहा था कि जनरल वीके सिंह 8 जनवरी को आइजोल पहुंचेंगे और शपथ ग्रहण समारोह अगले दिन यानी 9 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। वीके सिंह अब 15 जनवरी को आइजोल पहुंचेंगे और शपथ ग्रहण समारोह अगले दिन आयोजित किया जाएगा। मिजोरम में वर्तमान में कोई राज्यपाल नहीं है, क्योंकि मौजूदा राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति जो तीन साल और पांच महीने से अधिक समय तक इस पद पर रहे वह दो जनवरी को राज्य छोड़कर चले गए और अगले दिन ओडिशा में राज्यपाल का कार्यभार संभाल लिया। अधिकारियों ने कहा कि नए राज्यपाल पदभार संभालने के बाद अपने शपथ ग्रहण समारोह के बाद बजट सत्र बुलाने की संभावना है। राजभवन और मिजोरम सरकार के अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर नए राज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह को स्थगित करने के कारणों का खुलासा नहीं किया। एक अधिकारी ने कहा कि जनरल वीके सिंह ने मिजोरम में अपने आगमन और राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण समारोह को स्थगित कर दिया है। सूत्रों के हवाले से एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यह स्थगन उनके परिवार के किसी सदस्य के चिकित्सा उपचार के कारण हो सकता है।

बिहार के कई युवा रोजगार के नाम पर विदेश जाकर साइबर फ्रॉड में फंसे

अब खुद और परिजन सरकार से कर रहे गुजारिश

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार के युवाओं को टूरिस्ट वीजा पर कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार और लाओस भेजकर उन लोगों से साइबर फ्रॉड कराया जा रहा है। गोपालगंज जिले के करीब 47 युवक विदेशों में फंसे हैं। आरोप है कि इन युवकों को विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर एजेंट ने भेजा था। इस पूरे खेल में पाकिस्तान और चीन के साइबर अपराधियों का हाथ होने की बात सामने आई है, जिसकी जांच एनआइए और ईओयू की टीम कर रही है।

फतेहपुर गांव निवासी रौशन अली का बेटा वाहिद रौशन और भतीजा मो. साउद अली को प्रयागराज के एजेंट सुदरजीत यादव ने दिल्ली से थाईलैंड भेजा था। दोनों युवकों को मॉल में काम दिलाने के नाम पर 26 अक्टूबर 2024 को भेजा था। इसके बाद थाईलैंड में एयरपोर्ट पर उतरते ही दोनों को एक एजेंट ने रिसीव कर नदी के रास्ते मोटरबोट से म्यांमार पहुंचा दिया, जहां पहले से पाकिस्तान, चीन, नेपाल और दूसरे देश के युवा साइबर फ्रॉड में लगे हुए थे। आरोप है कि एजेंट ने 7 हजार यूएस डॉलर (छह लाख से ज्यादा भारतीय रुपये) में इन युवकों को चीन और पाकिस्तान के साइबर अपराधियों को बेच दिया है।

रौशन और साउद ने किसी तरह से छिपकर वीडियो बनाकर सरकार और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। युवकों ने वीडियो में लोकेशन दिखाया और कहा कि कंप्यूटर के काम को लेकर यूपी के एजेंट ने भेजा था, लेकिन यहां साइबर फ्रॉड में लगाया है। वीडियो में युवक कहते हैं कि विरोध करने पर यातना दी जा रही है। प्लीज, मुझे यहां से भारत वापस बुला लें।

रौशन और वाहिद की तरह शुभम कुमार भी कंबोडिया जाकर फंस गया था। साइबर फ्रॉड के लिए दबाव बनाया गया, लेकिन वह भागकर भारतीय दूतावास पहुंच गया। फिर दूतावास की मदद से वापस घर आ गया है।

शुभम कुमार ने मामले में साइबर थाने में पांच लोगों पर केस दर्ज कराया है, जिसमें पुलिस को बताया कि एजेंट ने 70 हजार रुपये प्रतिमाह की सैलरी पर मॉल में काम करने के लिए भेजा था, लेकिन थाईलैंड जाने के बाद वहां से कंबोडिया ले जाया गया, जहां साइबर फ्रॉड के काम में लगा दिया गया। विरोध करने पर बिजली करंट के झटके दिए जा रहे थे। किसी तरह से भागकर दूतावास पहुंचा, जिसके बाद वापस घर लौट पाया।

म्यामांर में फंसे युवक के पिता रौशन अली ने कहा कि मेरे लड़के के अलावा कई युवक वहां फंसे हुए हैं। जब भी फोन आता है, रोते हुए कहता है कि जल्द बुलवा लीजिए। पूरा परिवार आहत है। मोदी सरकार से गुजारिश है कि मदद करे।

बांग्लादेश की मांग ठुकराई- भारत में ही रहेंगी शेख हसीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांगलादेश के अंतरिम सरकार ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए 23 दिसंबर को एक डिप्लोमैटिक नोट भारत के विदेश मंत्रालय को भेजा था। हालांकि, भारत सरकार ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि ढाका ने प्रत्यर्पण के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं की हैं। भारत ने बांगलादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की वीजा बढ़ा दिया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब ढाका में उनकी प्रत्यर्पण की मांग तेज हो रही है। शेख हसीना पिछले अगस्त में देश छोड़कर भारत आई थीं।

बांगलादेश में उनके खिलाफ छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों के मुताबिक, उनका वीजा हाल ही में बढ़ाया गया है, ताकि वह भारत में पहले की तरह रह सकें। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत ने उन्हें शरण नहीं दी है क्योंकि भारत में शरणार्थियों के लिए कोई विशेष कानून नहीं है।

इस बीच बांगलादेश की सरकार ने 97 लोगों के पासपोर्ट रद्द करने का निर्णय लिया है, जिनमें शेख हसीना का नाम भी शामिल है। इन लोगों पर जुलाई में हुए प्रदर्शनों में कथित रूप से लोगों को जबरन गायब कराने और हत्याओं में शामिल होने के आरोप हैं। बांगलादेश के इमिग्रेशन और पासपोर्ट विभाग ने यह घोषणा की है कि शेख हसीना और अन्य 75 व्यक्तियों के पासपोर्ट रद्द किए गए हैं।

वहीं, 6 जनवरी को बांगलादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ दूसरा गिरफ्तारी वारंट जारी किया। न्यायाधिकरण ने बांगलादेशी पुलिस को शेख हसीना और 11 अन्य लोगों को गिरफ्तार करने और उन्हें 12 फरवरी को न्यायाधिकरण के सामने पेश करने का आदेश दिया है।

भारत में शेख हसीना का भविष्य

भारत में शेख हसीना के भविष्य को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय ने पहले ही यह कह चुका है कि शेख हसीना को अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में खुद निर्णय लेना है। इस बीच, बांगलादेश के राष्ट्रीय स्वतंत्र जांच आयोग के प्रमुख ने कहा है कि आयोग के सदस्य भारत जाने की योजना बना रहे हैं ताकि शेख हसीना से 2009 में बांगलादेश राइफल्स द्वारा 74 लोगों की हत्या के मामले में पूछताछ की जा सके।

चार युद्ध लड़ने वाले हवलदार बलदेव सिंह की बहादुरी को नेहरु से लेकर पीएम मोदी तक ने सराहा!

राजौरी (एजेंसी)। बलदेव सिंह एक ऐसे वीर सिपाही जो अपने साहस और देशभक्ति के लिए इतिहास में हमेशा के लिए अमर हो गए। जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफचार युद्ध लड़े और भारतीय सेना में तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं, उनकी सोमवार को सांसे थम गईं। बलदेव सिंह 14 नवंबर 1950 को सेना में भर्ती हुए। उन्होंने करीब तीन दशक तक देश की सेवा की और 1961, 1962 और 1965 के भारत-पाक युद्धों में हिस्सा लिया। 1969 में रिटायर होने के बाद, उन्हें 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान फिर से बुलाया गया। इस दौरान उन्होंने 11 जाट बटालियन (25 इन्फैंट्री डिवीजन) के साथ आठ महीने तक सेवा की। अपने लंबे करियर के दौरान, बलदेव सिंह को कई सम्मानों से नवाजा गया। उनकी बहादुरी को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने सराहा। सोमवार को उनके गांव नौनिहाल में पूरे सैन्य सम्मान और प्रोटोकॉल के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

हवलदार बलदेव सिंह (रिटायर्ड) का उनके गृह नगर राजौरी जिले के नौशेरा में निधन हो गया। वह 93 साल के थे। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि उनकी नेचुरल डेथ हुई।

बता दें कि हवलदार बलदेव सिंह का जन्म 27 सितंबर 1931 को नौशेरा के नौनिहाल गांव में हुआ था। केवल 16 साल की उम्र में, उन्होंने ब्रिगेडियर उस्मान की अगुवाई में 'बाल सेना' में शामिल हो गए। 1947-48 के नौशेरा और झांगर की लड़ाई के दौरान, बाल सेना के लड़कों (12-16 साल की उम्र) ने भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण समय पर संदेशवाहक के रूप में काम किया था। उनके इस योगदान के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें ग्रामोफोन, घड़ियां और भारतीय सेना में शामिल होने का मौका दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लेबनानी प्रधानमंत्री ने अमेरिका से कहा, संघर्ष विराम समझौते का लगातार उल्लंघन कर रहा इजरायल

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने आरोप लगाया है कि इजरायल संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है और उसे ये तुरंत बंद करना चाहिए। मिकाती ने सोमवार को अमेरिकी दूत अमोस होचस्टीन के साथ बैठक के दौरान संघर्ष विराम उल्लंघन, दक्षिणी शहरों पर चल रहे हमलों, घरों और सुविधाओं के व्यवस्थित विनाश और लेबनानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का जिक्र करते हुए इसे तुरंत रोकने की मांग दोहराई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, उन्होंने समझौते द्वारा निर्धारित 60 दिनों की समाप्ति से पहले इजरायली वापसी को पूरा करने के लिए एक स्पष्ट समय सारिणी निर्धारित करने का भी आह्वान किया। होचस्टीन ने मिकाती और लेबनानी सदन के अध्यक्ष नबीह बेरी के साथ हुई बैठकों के बाद कहा कि इजरायली वापसी तब तक जारी रहेगी जब तक कि सभी इजरायली सेना लेबनानी क्षेत्र को नहीं छोड़ देती। होचस्टीन ने एक टेलीविजन बयान में कहा, इजराइली रक्षा बलों ने आज पश्चिमी क्षेत्र के अधिकांश भाग नकौरा से अपनी वापसी शुरू कर दी है और ब्लू लाइन के दक्षिण में इजरायल में वापस आ गए हैं। ये वापसी तब तक जारी रहेगी जब तक कि सभी इजरायली सेनाएं लेबनान से पूरी तरह से बाहर नहीं निकल जातीं और लेबनानी सेना दक्षिण और ब्लू लाइन में तैनात होती रहती है। होचस्टीन ने कहा कि युद्ध विराम की निगरानी करने वाली समिति अगले 20 दिनों तक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के सहयोग से इजरायल की वापसी और लेबनानी सेना की तैनाती पर काम करना जारी रखेगी। होचस्टीन ने कहा, मुझे अगले कुछ दिनों में काफी प्रगति देखने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा, कार्यान्वयन उतनी जल्दी नहीं दिख रहा है, जितनी कुछ लोग चाहते थे। लेकिन आज नकौरा में मैंने जो सुना, उससे मुझे उम्मीद है कि हम सही रास्ते पर हैं। बता दें कि अमेरिका और फ्रांस द्वारा मध्यस्थता किया गया युद्ध विराम 27 नवंबर 2024 को प्रभावी हुआ था, जिसका उद्देश्य इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लगभग 14 महीने से चल रहे संघर्ष को समाप्त करना है।

दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले मुल्क की ब्रिक्स में एंट्री, बना 11वां देश

साओ पाउलो , एजेंसी। दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के औपचारिक समूह ब्रिक्स का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया की ब्रिक्स समूह में एंट्री हो गई है। इसी के साथ इंडोनेशिया ब्रिक्स का हिस्सा बनने वाला 11वां देश बन गया है। समूह के मौजूदा अध्यक्ष ब्राजील ने मंगलवार को ऐलान किया कि इंडोनेशिया ब्रिक्स समूह का पूर्ण सदस्य बन गया है। ब्राजील ने कहा कि 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में ब्लॉक के सदस्यों ने इंडोनेशिया की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। इसके बाद इंडोनेशिया को समूह में शामिल करने का फैसला लिया गया है। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने का स्वागत किया। इसमें कहा गया कि इंडोनेशिया और अन्य ब्रिक्स सदस्य वैश्विक शासन संस्थाओं में सुधार का समर्थन करते हैं। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ब्राजील सरकार ब्रिक्स में इंडोनेशिया के प्रवेश का स्वागत करती है। दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आबादी वाले देश के रूप में इंडोनेशिया अन्य ब्रिक्स सदस्यों के साथ ग्लोबल संस्थानों में सुधार का समर्थन करता है। गौरतलब है कि ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने साल 2009 में ब्रिक्स का गठन किया था। साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका को ब्रिक्स समूह में जोड़ा गया था। पिछले साल 2024 में समूह का विस्तार ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब को शामिल करने के लिए किया गया था।

यूएस में बर्ड फ्लू से पहली मौत; एच5एन1 वायरस के मानव संक्रमण का था पहला गंभीर केस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बर्ड फ्लू से पहली बार एक इंसान की मौत हुई है। लुइसियाना स्वास्थ्य विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बर्ड फ्लू से मारा गए व्यक्ति 65 साल से अधिक उम्र का था और उसे पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं। बता दें कि अमेरिका में अब तक बर्ड फ्लू के कुल 66 मानव मामले सामने आए हैं और इनका संबंध दस राज्यों में हुआ है, जिनमें लुइसियाना भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि यह मौत अत्यधिक संक्रामक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) या एच5एन1 वायरस के कारण हुई है, जिसे व्यक्ति ने अपने गैर-वाणिज्यिक पिछवाड़े के झुंड और जंगली पक्षियों से संपर्क में आकर पकड़ा था। लुइसियाना में यह पहला मामला है, जिसको लेकर विभाग ने कहा कि किसी अन्य एच5एन1 मामले या मानव से मानव में संक्रमण के कोई सबूत नहीं मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने रोगी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि अब आगे इस मामले में कोई और जानकारी नहीं दी जाएगी।

मरियम ने यूएई शेख जायद से मिलाया हाथ, पाकिस्तान में छिड़ गया विवाद

– इमरान समर्थक बता रहे गलत, नवाज समर्थक मान रहे प्रोटोकॉल का हिस्सा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महिला मंत्री को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यहां मरियम नवाज की यूएई राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के साथ मुलाकात ने बहस छेड़ दी है। मंगलवार को यूएई के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति अपनी निजी यात्रा पर पाकिस्तान आए। रहीम यार खान के एयरपोर्ट पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और मरियम नवाज ने गर्मजोशी से उनका इस्तकबाल किया। इस दौरान मरियम नवाज ने शेख मोहम्मद बिन जायद से हाथ मिलाया।

सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर ने पाकिस्तान में धार्मिक और सांस्कृतिक बहस छेड़ दी है। आलोचक इस तरह से हाथ मिलाने को शरीयत के खिलाफ बता रहे हैं और मरियम नवाज की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर उनके समर्थक इसे आधुनिक प्रोटोकॉल का हिस्सा मानकर जायज ठहरा रहे हैं।

इस्लामी कानून के मुताबिक महिला को महरम यानी परिवार के करीबी पुरुष के अलावा अन्य किसी पुरुष के साथ शारीरिक संपर्क से बचना चाहिए। इस संदर्भ में मरियम नवाज का किसी गैर-महरम से हाथ मिलाना कई कट्टरपंथियों को आपत्तिजनक लगा। पूर्व पीएम इमरान खान के समर्थकों ने इस मामले को लेकर मरियम पर निशाना साधा, जबकि मरियम के समर्थकों ने इमरान के पिछले कार्यकाल की तस्वीरें साझा कर, उन्हें भी कटघरे में खड़ा कर दिया।

पाकिस्तानी यूट्यूबर मंसूर अली खान ने कहा कि मरियम नवाज ने गैर-महरम से हाथ मिलाकर गलत किया है, तो इमरान खान के भी कई अंतरराष्ट्रीय महिला नेताओं से हाथ मिलाने को गलत माना जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस मुद्दे को तूल देने की आलोचना करते हुए कहा कि हाथ मिलाने को लेकर विवाद पैदा करना अनावश्यक है।

वहीं, कुछ लोगों ने मरियम नवाज पर पिछली जांच में शरीयत का हवाला देकर शामिल न होने के कारण उनका दोहरा चेहरा उजागर किया है। मरियम नवाज और यूएई राष्ट्रपति की मुलाकात ने पाकिस्तान में धर्म, राजनीति और आधुनिक प्रोटोकॉल पर एक अहम बहस छेड़ दी है। यह विवाद इस बात का प्रतीक है कि कैसे छोटे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है। इसको लेकर अभी मरियम नवाज की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

जेक सुलिवन और अजीत डोभाल की मुलाकात पर व्हाइट हाउस का बयान, कहा- दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों देशों को पहले से ज्यादा विश्वसनीय और लचीला आधार बनाने के लिए अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। दोनों देशों ने तकनीकी और रक्षा आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि बैठक के दौरान सुलिवन और डोभाल ने तकनीक के संयुक्त उत्पादन और विकास के प्रयास के महत्व को लेकर चर्चा की। यह हमें दुनिया के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत-प्रतिस्पर्धी तकनीकी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत अंतरिक्ष से लेकर सेमी कंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, उन्नत दूरसंचार और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर साझेदारी के साथ काम कर रहे हैं। इसके परिणाम भी सामने आए हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक हमारी साझेदारी ने हिंद-प्रशांत और यूरोप के समान विचारधारा वाले देशों के साथ बहुपक्षीय कार्य को भी बढ़ावा दिया है। इसमें बायो-5 बायोफार्मास्युटिकल सप्लाई चेन कंसोर्टियम, यूएस-इंडिया-आरओके टेक्नोलॉजी त्रिपक्षीय और क्वाड के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ चल रहे सहयोग शामिल हैं। बैठक में सुलिवन और डोभाल ने तकनीकी संरक्षण को मजबूत करने के अपने साझा संकल्प को लेकर प्रतिबद्धता जताई। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के प्रयासों पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों देशों के सुरक्षा सलाहकारों ने द्विपक्षीय रणनीतिक व्यापार, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग में दीर्घकालिक बाधाओं को दूर करने की प्रगति की सराहना की। दोनों ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकारों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच उन्होंने जो सेतु बनाए हैं, वे कायम रहेंगे और तकनीकी उद्यम के हर आयाम में उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करेंगे। दोनों एनएसए नियमित रूप से व्यापक द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक एजेंडे पर गहन चर्चा के माध्यम से उच्च स्तरीय वार्ता में शामिल रहे हैं।

उत्तर कोरिया की गीदड़भभकी; तानाशाह किम जोंग ने नई हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली को लेकर दी यह चेतावनी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता तानाशाह किम जोंग उन हमेशा से ही अपने गीदड़भभकी के लिए सुर्खियों में रहे है। जहां एक बार फिर उन्होंने नई हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल प्रणाली प्रशांत क्षेत्र में देश के प्रतिद्वंद्वियों को रोकने में मदद करेगी। किम ने समाचार एजेंसी केसीएनए से कहा कि यह मिसाइल प्रणाली किसी भी प्रतिद्वंदी को मज़बूती से रोकने में सक्षम है जो हमारे देश की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। बता दें कि यह परीक्षण तब हुआ जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया का दौरा कर रहे थे, जो उत्तर कोरिया का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। किम ने बताया कि इस मिसाइल ने 1,500 किलोमीटर (930 मील) की दूरी तय की और पानी में गिरने से पहले ध्वनि की गति से 12 गुना ज्यादा तेजी से यात्रा की। किम ने इसे आत्मरक्षा का एक कदम बताया न कि आक्रामक कार्रवाई। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल प्रणाली का प्रदर्शन दुनिया से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह किसी भी सघन रक्षात्मक अवरोध को तोड़ते हुए प्रतिद्वंद्वी पर गंभीर हमला कर

ट्रंप की हमास को चेतावनी: नर्क के सारे दरवाजे खोल देंगे, अगर मेरी शपथ से पहले बंधकों को रिहा नहीं किया गया

– चुनाव से पहले शांति की बात करने वाले ट्रंप के बदले तेवर

टोरंटो । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मार-ए-लागो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हमास को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि 20 जनवरी को उनकी शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो मिडिल ईस्ट में नर्क के सारे दरवाजे खोल दिए जाएंगे। चुनाव से पहले शांति और कूटनीति की बात करने वाले ट्रंप ने अपने तेवर बदलते हुए हमास को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, मैं बातचीत की प्रक्रिया में बाधा नहीं डालना चाहता, लेकिन यदि बंधकों को जल्द रिहा नहीं किया गया, तो मिडिल ईस्ट में ऐसी स्थिति पैदा होगी जिसे हमास कभी भूल नहीं पाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनकी कार्रवाई का स्वरूप क्या होगा। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने 100 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया था, जिनमें कुछ अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं। ट्रंप ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल हमास पर ही नहीं, बल्कि कई अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा की कनाडा और मेक्सिको पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है। पनामा नहर को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन सैन्य हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया। ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं से इनकार करते हुए, डेनमार्क पर टैरिफ लगाने की बात कही। गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका करने का सुझाव दिया। उन्होंने इसे एकदम सटीक और खूबसूरत नाम बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आगामी प्रशासन की नीतियों के संकेत देते हुए स्पष्ट किया कि उनका रुख अमेरिकी हितों की रक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का रहेगा। उनकी बयानबाजी से साफ है कि वह कूटनीति के साथ-साथ शक्ति प्रदर्शन की रणनीति अपनाने की तैयारी में हैं।

हमास को सख्त संदेश

ट्रंप ने हमास के बंधक संकट को लेकर कहा कि उनकी प्राथमिकता अमेरिकियों को सुरक्षित रिहाई दिलाना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर मेरी शपथ से पहले बंधकों को छोड़ा नहीं गया, तो हमास को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप की इस चेतावनी से न केवल मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ सकता है, बल्कि उनकी नीतियों से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

टूडो के इस्तीफे के बाद अगले पीएम की दौड़ में दो भारतवंशी भी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद नए दावेदारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पीएम पद की रेस में कनाडा मूल के नेताओं के साथ ही दो भारतवंशी भी शामिल हैं। इन भारतवंशी सांसदों में पहला नाम ट्रूडो मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व रक्षा मंत्री और मौजूदा परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री अनीता आनंद का है। जबकि दूसरा नाम भारतवंशी लिबरल पार्टी के सांसद जॉर्ज चहल का है। आइए जानते हैं कौन हैं भारतवंशी सांसद।

भारतवंशी अनीता आनंद का नाम चर्चा में : कनाडा में पीएम पद की रेस में भारतवंशी सांसद अनीता आनंद का भी चर्चा में है। अनीता आनंद ट्रूडो मंत्रिमंडल में शामिल हैं। वह कनाडा की रक्षा मंत्री रह चुकी हैं। साथ ही मौजूदा समय में परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री हैं। अनीता का जन्म 1967 में नोवा स्कोटिया में भारतीय माता-पिता के घर हुआ था, जो दोनों चिकित्सा पेशेवर थे। उनकी मां सरोज पंजाब से और पिता एस.वी. आनंद तमिलनाडु से थे। अनीता टोरंटो विश्वविद्यालय में कानून की प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने टोरंटो के पास ओकविले से 2019 में सांसद का चुनाव लड़ा और जीत गईं। इसके बाद उनको सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में चुना गया था। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने टीके खरीदने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने यूक्रेन की भी मदद की। साथ ही अनीता ने व्यापक शोध के साथ एयर इंडिया जांच आयोग की सहायता की। आयोग ने 23 जून 1985 को एयर इंडिया कनिष्क उड़ान 182 की बमबारी की जांच की, जिसमें सभी 329 लोग मारे गए थे। ये मामला खालिस्तानियों से जुड़ा था।

जॉर्ज चहल भी पीएम पद की रेस में : कनाडा पीएम पद की रेस में दूसरे भारतवंशी के तौर पर लिबरल सांसद जॉर्ज चहल का नाम भी शामिल है। हालांकि कई सांसदों ने उनको अंतरिम नेता नियुक्त करने की सिफारिश की है। अगर चहल को अंतरिम नेता चुना जाता है, तो वे पीएम की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। क्योंकि कनाडा के नियमों के मुताबिक अंतरिम नेता प्रधानमंत्री पद का चुनाव नहीं लड़ सकते। जॉर्ज चहल ने पिछले सप्ताह कॉकस सहयोगियों को पीएम पद के लिए अनुरोध के साथ एक पत्र लिखा था। चहल ने ट्रूडो से पीएम पद छोड़ने और पार्टी से चुनाव कराने की मांग की थी। पेशे से वकील चहल ने कैलगरी सिटी काउंसलर के रूप में विभिन्न समितियों में काम किया है। चहल प्राकृतिक संसाधनों पर स्थायी समिति के अध्यक्ष और सिख कॉकस के अध्यक्ष भी हैं।

मस्क के आरोपों पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोले-लोग झूठ फैला रहे: पाकिस्तानी ग्रूमिंग रेप मामले पर सफाई दी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इलॉन मस्क के सरकार पर किए गए हमलों का जवाब दिया है। स्टार्मर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मस्क का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग झूठ और गलत सूचनाओं को फैला रहे हैं, उन्हें पीड़ितों में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ खुद में दिलचस्पी है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि वे 2008 से 2013 के बीच प्रॉसिक्यूशन सर्विस के डायरेक्टर थे तभी ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया गया था। स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने जिस भी मामले को हाथ में लिया, वह अदालत तक पहुंचा और उसमें पर्याप्त कार्रवाई हुई। हाल ही में इलॉन मस्क ने लेबर पार्टी की सरकार पर चाइल्ड ग्रूमिंग गैंग्स मामले में ब्रिटिश पीएम के साथ-साथ लेबर सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा कि स्टार्मर जांच कर रही समिति के अध्यक्ष थे लेकिन फिर भी उन्होंने आरोपियों के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी नहीं थी। मस्क ने कहा कि अब पीएम के रूप में भी स्टार्मर पर्दा डाल रहे हैं। उन्होंने ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स से भी स्टार्मर को बर्खास्त करने की अपील की। इस बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मस्क ने स्टार्मर को जेल भेजने की भी मांग की। खुद ही पीड़िताएं सामने आईं, पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग का खुलासा किया साल 2022 में कुछ पीड़िताएं खुद सामने आईं और अपने साथ हुए अत्याचारों के बारे में दुनिया को बताया। इसमें बताया गया कि पाकिस्तानी मूल के लोगों के एक गिरोह ने नाबालिग लड़कियों को ड्रग्स, पैसे अथवा ब्रेन वॉश करके फंसाया और उनका दुष्कर्म किया। इसके बाद देश प्रो. एलेक्स जे की कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने पाया कि 1997 से 2013 के बीच 1400 से ज्यादा लड़कियों का यौन शोषण किया गया। आरोपियों में सबसे ज्यादा पाकिस्तानी मूल के लोग थे। ज्यादातर लड़कियों को एक संगठित गैंग ने बहला-फुसलाकर शिकार बनाया और उनकी तस्करी कर दी गई थी। सबसे पहला मामला रॉदरहैम शहर का था। इसके बाद जांच करने पर उत्तरी इंग्लैंड के कई शहरों में इसी तरह के और भी मामले सामने आए। कमेटी की रिपोर्ट में दोषी पाकिस्तानी लोगों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई। अपराध की इन घटनाओं को रॉदरहैम स्कैंडल नाम दिया गया। बाद में इसे पाकिस्तानी ग्रूमिंग रेप गैंग भी कहा गया। यानी पाकिस्तानी युवा इन्हें साजिश के तहत फंसाते हैं। कुछ मामलों में लड़कियों की ट्रैफिकिंग भी यूरोपीय देशों को होती थी। लेबर पार्टी ने खुद जांच कराने से इनकार किया यह मामला अक्टूबर में उस वक्त सुर्खियों में आया था जब लेबर सरकार में मंत्री जेस फिलिप्स ने इंग्लैंड के ओल्डम काउंसिल के उस आग्रह को ठुकरा दिया था जिसमें सरकार से बच्चों के कथित तौर पर ऐतिहासिक रूप से हो रहे यौन शोषण की जांच कराने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि काउंसिल को ही यह काम अपने हाथ में लेना चाहिए। इससे ब्रिटिश सियासत गरमा गई।

अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रमण्यन ने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकियों के लिए बीता शुक्रवार का दिन काफी ऐतिहासिक रहा था। दरअसल, छह भारतवंशी नेताओं ने अमेरिकी संसद के सदस्य के रूप में शपथ ली था। यह पहला मौका है, जब अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव यानी निचली सदन में एक साथ छह भारतीय-अमेरिकियों ने शपथ ग्रहण की। इस दौरान सांसद सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद् गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। जबकि सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने एक कार्यक्रम के दौरान भगवद् गीता का एक अंश पढ़ा।

इन लोगों ने मारी बाजी : सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार अमेरिकी सदन में पहुंचे हैं। डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे सीनियर भारतीय अमेरिकी सांसद हैं।

सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद् गीता पर शपथ ली : अमेरिका के पूर्वी तट पर बसे राज्यों से अमेरिकी संसद में पहुंचने वाले पहले भारतवंशी सांसद सुहास सुब्रमण्यम ने भगवद गीता की शपथ ली। इसी के साथ वह हिंदू ग्रंथ पर ऐसा करने वाले संभवतः एकमात्र सांसद बन गए। उनकी मां, जो डलास हवाईअड्डे के माध्यम से अमेरिका आई थीं, ने उन्हें गीता की शपथ लेते हुए देखा। गौरतलब है, 43 साल की तुलसी गब्बार्ड अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की पहली हिंदू अमेरिकी सदस्य थीं। उन्होंने पहली बार तीन जनवरी, 2013 में गीता पर शपथ ली थी। वह हवाई के दूसरे संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करती थीं। गब्बार्ड, जो

किशोरावस्था में हिंदू धर्म अपनाने वाली पहली व्यक्ति थीं, अब राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद के लिए नामांकित हैं। शपथ लेने के बाद सुहास सुब्रमण्यम ने कहा, मेरे माता-पिता ने मुझे वर्जीनिया से पहले भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई सांसद के रूप में शपथ लेते हुए देखा। अगर आप मेरी मां से भारत से डलास एयरपोर्ट पर उतरते समय कहते कि उनका बेटा भविष्य में वर्जीनिया का प्रतिनिधित्व करेगा, तो वह शायद विश्वास नहीं करतीं, लेकिन मेरी कहानी वही आशा है जो अमेरिका रखता है। मुझे गर्व है कि मैं पहला हूं, लेकिन आखिरी नहीं हूं, क्योंकि मैं वर्जीनिया के 10वें जिले का प्रतिनिधित्व करता हूं। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने द्विदलीय अंतरधार्मिक प्रार्थना सभा के दौरान भगवद् गीता का एक अंश पढ़ा। यह सेवा 119वीं सदन के पहले दिन की शुरुआत में आयोजित की गई थी। राजा कृष्णमूर्ती के कार्यालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, वह इस सेवा में बोलने वाले अकेले हिंदू प्रतिनिधि थे। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले, हिंदू अमेरिकियों को हमारे देश की राजधानी में प्रार्थना सेवाओं में शामिल नहीं किया जाता था। मैं आभारी हूं कि अब हमारे पास भी एक जगह है और मैं हिंदू धर्म के सुंदर आशीर्वादों को अपने सहयोगियों के साथ बांटने में भूमिका निभा सकता हूं, चाहे वे रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट। हम सबने मिलकर शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की, जिससे हम अपने देश की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं।

सांसद कृष्णमूर्ति 2017 से इलिनॉयस के 8वें जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को 119वीं सदन का हिस्सा बनने के लिए शपथ ली। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हमारी समुदायों की सेवा करना एक जीवनभर का सम्मान है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत बना फर्जी डॉक्टरों का हब,मरीजों की जिंदगी से 'प्रैक्टिस' करने वाले 4 और फर्जी डॉक्टर पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत में फर्जी डॉक्टरों का नेटवर्क बढ़ता जा रहा है। हाल ही में, प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 4 और जोलाछाप (फर्जी डॉक्टर) को गिरफ्तार किया है। ये डॉक्टर बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री या प्रशिक्षण के मरीजों का इलाज कर रहे थे, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ रही थी।

इस कार्रवाई में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ने मिलकर छापेमारी की और इन फर्जी डॉक्टरों के क्लिनिक को सील कर दिया। जांच में पता चला कि ये डॉक्टर झूठे प्रमाणपत्रों के आधार पर क्लिनिक चला रहे थे और गंभीर बीमारियों का इलाज कर रहे थे।

प्रशासन ने जनता से अपील की है कि किसी भी डॉक्टर के पास इलाज कराने से पहले उनकी डिग्री और प्रमाणपत्र की जांच करें। साथ ही, इस तरह के फर्जी डॉक्टरों की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

सूरत में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अधिकारियों ने इस मामले में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

सूरत, जो टेक्सटाइल और डायमंड उद्योग के लिए प्रसिद्ध है, अब फर्जी डॉक्टरों के कारण बदनाम हो रहा है। नकली डिग्रियां बेचने वाले रैकेट की वजह से सूरत में बिना किसी वैध डिग्री के कई फर्जी डॉक्टर अवैध रूप से प्रैक्टिस कर रहे हैं।

हाल ही में भेस्तान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 ऐसे फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है, जो बिना डिग्री के डॉक्टर बनकर लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। इन डॉक्टरों के पास न तो कोई चिकित्सा प्रमाणपत्र था और न ही कोई वैध लाइसेंस।

पुलिस ने उनके क्लिनिक सील कर दिए हैं और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच में यह भी सामने आया है कि ये डॉक्टर सामान्य बीमारियों के साथ गंभीर बीमारियों का भी इलाज कर रहे थे, जिससे मरीजों की जान को बड़ा खतरा था।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि इलाज कराने से पहले डॉक्टर की डिग्री और लाइसेंस की जांच जरूर करें। साथ ही, ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सूरत में फर्जी डॉक्टरों के मामलों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और प्रशासन ने इस समस्या के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

सूरत में एक बार फिर फर्जी डॉक्टरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भेस्तान पुलिस ने अलग-अलग 22 टीमें बनाकर बिना डिग्री के डॉक्टर बनकर क्लीनिक चलाने वाले लोगों की तलाश शुरू की। इस अभियान में पुलिस ने मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी और जिला पंचायत सूरत की टीम के सदस्यों को भी शामिल किया।

भेस्तान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में जांच अभियान चलाया गया, जहां टीम के सदस्यों ने हर क्लीनिक पर डमी मरीज भेजकर सच्चाई की जांच की। इस तरीके से पुलिस ने फर्जी डॉक्टरों की पहचान की और उनके खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि इन डॉक्टरों के पास न तो कोई चिकित्सा डिग्री थी और न ही किसी प्रकार का वैध लाइसेंस। ये लोग मरीजों का इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहे थे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को फर्जी डॉक्टरों से मुक्त करना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

प्रशासन ने इस अभियान को सफल बताते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी डॉक्टर के पास इलाज कराने से पहले उसकी डिग्री और प्रमाणपत्रों की जांच अवश्य करें।

भेस्तान क्षेत्र में 22 डॉक्टरों की जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि इनमें से 4 डॉक्टर बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री के फर्जी क्लीनिक चला रहे थे। इन फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उनके क्लीनिक से विभिन्न प्रकार की दवाइयां, इंजेक्शन, सिरप आदि सहित कुल 26,802 रुपये का माल जब्त किया है।

पुलिस ने इन 4 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की है। जब्त किए गए सामान में उन दवाइयों और उपकरणों का भी समावेश है, जो ये लोग बिना किसी विशेषज्ञता के मरीजों के इलाज के लिए उपयोग कर रहे थे।

प्रशासन ने इस घटना के बाद नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे फर्जी डॉक्टरों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध क्लीनिक या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस कदम का उद्देश्य जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य सेवाओं को धोखाधड़ी से बचाना है।

इन सभी पर बिना मान्यता प्राप्त डिग्री और लाइसेंस के डॉक्टर बनकर क्लीनिक चलाने और मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने का आरोप है। पुलिस ने इन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कौन-कौन गिरफ्तार हुए

भेस्तान पुलिस द्वारा फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ की गई कार्रवाई में निम्नलिखित लोगों को गिरफ्तार किया गया है:

1.मोहम्मद जावेद मोहम्मद इदु शेख (उम्र 53 वर्ष)
2.बीबेकानंद बिजयकृष्णा बिस्वाल (उम्र 58 वर्ष)
3.मोहम्मद लतीफ मोहम्मद रजा अंसारी (उम्र 27 वर्ष)
4.मलय मोहनीश बिस्वास (उम्र 40 वर्ष)

खाकी के लिए उम्मीदवारों की कड़कड़ाती ठंड में दौड़ परीक्षा केंद्रों पर कहीं खुशी तो कहीं निराशा के दृश्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में खाकी के लिए भर्ती परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों ने कड़कड़ाती ठंड में कड़ी मेहनत की। परीक्षा केंद्रों पर कुछ जगहों पर उम्मीदवारों के चेहरे पर खुशी और संतोष था, जबकि कुछ जगहों पर निराशा भी देखने को मिली।

कई परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था अच्छी रही, जिससे उम्मीदवारों को कोई परेशानी नहीं हुई और वे परीक्षा देने में पूरी तरह से सक्षम रहे। हालांकि, कुछ केंद्रों पर उम्मीदवारों ने व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें भी कीं।

इसके बावजूद, ज्यादातर जगहों पर उम्मीदवारों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए उत्साह और उम्मीद के साथ भाग लिया।

राज्य पुलिस विभाग में 12,472 पदों के लिए भर्ती की परीक्षा शुरू, 10 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने लिया हिस्सा

राज्य के 15 परीक्षा केंद्रों (ग्राउंड) पर राज्य पुलिस विभाग के 12,472 पदों के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा का आयोजन शुरू हुआ। इस परीक्षा में 10 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया।

उम्मीदवार कड़कड़ाती ठंड में सुबह-सुबह परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे और खाकी के लिए दौड़ लगाई। महिला उम्मीदवारों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी परीक्षा केंद्रों के बाहर नजर आए।

परीक्षा केंद्रों पर सफल उम्मीदवारों के चेहरे पर खुशी का माहौल था, जबकि असफल उम्मीदवार निराश दिखाई दिए। हालांकि, इस समय अन्य उपस्थित परिवारजन और उम्मीदवार एक-दूसरे को दिलासा देते हुए नजर आए।

राज्य पुलिस विभाग में भर्ती के लिए गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड का गठन

गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड की स्थापना के बाद, पुलिस विभाग में 12,472 पदों के लिए कुल 16 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। हालांकि, बिन-हथियारी पुलिस सब इंस्पेक्टर और लोक रक्षक काडर में 10,73,786 उम्मीदवारों का चयन पक्का हुआ है।

साइलेंट जोन भूमि घोटाला

PI से जांच छीनी गई और Dy.SP. को सौंपा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से डुमस, वाटा और गवियरा के किसानों की 2500 करोड़ की ज़मीन में 351 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने का रैकेट, CID क्राइम के PI से जांच छीनी गई और अब इस मामले की जांच CID क्राइम के DYSP कप्तान को सौंप दी गई है।

दूसरी ओर, जिनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, वे समृद्धि पेडी के भागीदारों ने हाईकोर्ट में क्वाशिंग याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई बुधवार को होगी। शिकायतकर्ता आजाद रामोलिया ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रोटेक्शन की भी मांग सीआईडी क्राइम से की है। इस मामले में अभी तक फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड के संबंध में जिम्मेदार सरकारी कर्मचारियों से पूछताछ या कार्रवाई नहीं की गई है। साइलेंट जोन की यह जगह टीपी में आने के बाद 40 प्रतिशत सरकार कटौती करती है, लेकिन बिल्डरों ने 40 प्रतिशत कटौती वाली जमीन पर प्लॉट बनाकर बरोबर बेच दिए, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। साइलेंट जोन वाली जगह में फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड पालिका में वेरिफाई कराए गए थे और पानी की लाइन तथा लाइट का कनेक्शन डीजीवीसीएल से लिया गया था। वास्तव में, अगर पालिका और डीजीवीसीएल इस मामले की जांच करें तो असली तथ्यों का खुलासा हो सकता है। इतना ही नहीं, कुछ प्लॉट्स पर बंगले भी बनाए गए थे और उन पर बैंक से लोन भी लिया गया था, ये भी सामने आ रहा है।

तीन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने 64 करोड़ की लोन धोखाधड़ी की कॉल सेंटर से कमाई करने का लालच देकर व्यापारी को जमानत बना कर लोन लिया, चुकौती के लिए बैंक ने संपत्ति जब्त की तो धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

राजकोट में तीन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने अपनी ही कंपनी के मालिक को कोल व्यवसाय में कमाई का लालच देकर दस्तावेज़ प्राप्त किए और बैंक से लोन ले लिया। व्यापारी की टर्नअराउंड रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कोल व्यवसाय में निवेश करने और उच्च मुनाफा देने का लालच देकर कंपनी में शेयरों में निवेश कराया और संपत्ति को जमानत बनवाकर व्यापारी से दस्तावेज़ प्राप्त किए थे। इसके बाद व्यापारी के नाम पर 64 करोड़ का लोन लिया गया।

इसके बाद लोन की भुगतान न करने पर बैंक ने व्यापारी से वसूली की प्रक्रिया शुरू की थी। इस दौरान व्यापारी की संपत्ति को सीज करने पर आरोपियों का भांडा फूटा। शिकायतकर्ता ने EOW में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य फरार आरोपी को वॉन्टेड घोषित कर दिया गया है।

EOW ने दो धोखेबाजों की गिरफ्तारी की है। जय चोटलिया और मितेश संघवी ने राजकोट के व्यापारी के दस्तावेजों का उपयोग करके बैंक को धोखा दिया था। आरोपियों ने राजकोट के व्यापारी काशुभाई बोडर को 2022-2023 में Turnerst Resources Pvt Ltd कंपनी में कोल व्यवसाय में निवेश करके उच्च लाभ देने का लालच दिया और व्यापारी से कंपनी में शेयरों का निवेश, संपत्ति के दस्तावेज और गारंटी ली थी। इसके बाद, आरोपियों ने कलुपुर कमर्शियल को-ऑपरेटिव बैंक में व्यापारी के दस्तावेज़ों का गलत तरीके से उपयोग करके 64 करोड़ की लोन प्राप्त की थी। जब बैंक ने लोन की भुगतान नहीं होने पर व्यापारी से वसूली शुरू की, तो आरोपियों का भांडा फूटा। व्यापारी द्वारा आर्थिक अपराध निराकरण शाखा में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

EOW की जांच में यह सामने आया कि पकड़े गए आरोपी जय चोटलिया, मितेश संघवी और वांछित आरोपी मनीष डांगी CA हैं।

ये तीनों Turnerst Resources Pvt Ltd कंपनी के कार्यकारी निदेशक हैं। राजकोट में व्यापारी के ष्ट्र के रूप में आरोपी जय चोटलिया काम कर रहे थे, इसलिए वह व्यापारी के संपर्क में थे। जय चोटलिया ने अपने दो दोस्तों मितेश और मनीष के साथ मिलकर यह कंपनी शुरू की थी, जो कोल का व्यापार करती थी। व्यापारी को भी निवेश करने का लालच देकर उन्होंने उसके दस्तावेज़ प्राप्त किए और उसे लोन में गारंटर बनाकर 64 करोड़ की लोन ली। इनमें से 52 करोड़ की लोन की राशि नहीं चुकाने के कारण बैंक ने व्यापारी की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसके बाद व्यापारी ने आर्थिक अपराध निराकरण शाखा में शिकायत दर्ज करवाई।

EOW ने ठगी केस में आरोपी जय चोटलिया की गिरफ्तारी कर कोर्ट से 6 दिनों का रिमांड प्राप्त

सूरत में प्रेम विवाह का करुण अंजाम

पत्नी को घर लौटने न देने पर युवक ने फांसी लगाई,परिवार का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक प्रेम विवाह का दुखद अंत हुआ है। युवक ने अपनी पत्नी को ससुराल वापस न भेजने पर फांसी लगा ली। परिवार का आरोप है कि युवक ने अपनी पत्नी को पियर (मायके) जाने के बाद वापस घर नहीं लौटने दिया, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने घटना की जांच की और परिवार को समझाया, जिसके बाद परिवार ने मृतक का शव स्वीकार किया। यह घटना परिवार में गहरे शोक का कारण बन गई है और पुलिस मामले की जांच जारी रखे हुए है।

सूरत के पांडेसरा के महादेवनगर इलाके में दो महीने पहले प्रेम विवाह करने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पत्नी बीमार पिता के साथ राजस्थान चली गई थी, और जब वह वापस नहीं लौटी, तो युवक ने खुद को खत्म कर लिया।

परिवार का कहना है कि युवक की पत्नी को धोखाधड़ी से राजस्थान ले जाया गया था, और जब वह वापस नहीं आई, तो युवक ने आत्महत्या कर ली। युवती के मामा द्वारा धमकी देने के बाद युवक ने आत्महत्या करने का कदम उठाया, ऐसा परिवार का आरोप है।

हालांकि, पुलिस की समझाइश के बाद, परिवार ने मृतक का शव स्वीकार किया। यह घटना पूरे परिवार के लिए एक बड़ा सदमा बन गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पांडेसरा क्षेत्र के महादेव नगर में 25 वर्षीय दशरथ राजुभाई राठोड अपने परिवार के साथ रह रहा था। उसके परिवार में माता-पिता और एक बहन थी, जबकि एक भाई का निधन हो चुका था। दशरथ जरी के कारखाने में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

दशरथ ने पास में ही रहने वाली एक युवती से प्रेम किया था, और 7 नवंबर को उनका प्रेम विवाह हुआ था।

दशरथ की पितराई बहन भारती ने बताया कि दशरथ का 7 नवंबर 2024 को प्रेम विवाह हुआ था। हालांकि, विवाह के कुछ समय बाद युवती के पिता की तबियत बिगड़ गई, जिसके कारण परिवार ने युवती को फोन कर घर बुला लिया था। दो दिन युवती को अस्पताल में रखा गया, इसके बाद एक दिन के लिए उसे फिर से ससुराल भेजा गया।

युवती के पिता को अस्पताल से छुट्टी मिलते ही, उसके मामा ने युवती को फोन किया और कहा कि उसे अपने पिता को गांव ले जाना होगा और उसे वापस आना पड़ेगा। यदि वह नहीं आई और उसके पिता को कुछ हो गया तो वह उसकी जिम्मेदार होगी, ऐसा दबाव डाला।

इससे आगे बताया गया कि, युवती अपने बीमार पिता के साथ राजस्थान गई थी और आठ सप्ताह तक वह दाशरथ से संपर्क में नहीं थी, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था। 7 जनवरी को दाशरथ ने युवती के मामा को कॉल किया और कहा कि वह 7 जनवरी को सूरत आ जाएगा। जब युवती ने फोन पर बताया कि वह खुद को मारे जा रही है, तो दाशरथ और भी तनाव में आ गया था।

पत्नी के लौटने की उम्मीद छोड़कर दाशरथ ने 8 जनवरी को दोपहर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पतिके मृत्यु की खबर मिलने के बावजूद युवती को सूरत आने की अनुमति नहीं दी गई। पांदेसरा के महादेव नगर में किराए के मकान में रहने वाली युवती के परिवार ने मकान भी खाली कर दिया है।

पांडेसरा पीआई गढवी ने बताया कि पांडेसरा क्षेत्र में युवक ने आत्महत्या की थी, जिसकी जांच एक दुर्घटनावश मृत्यु के मामले के तहत की जा रही है। मृतक के परिवार ने मांग की थी कि युवक ने दो-तीन महीने पहले प्रेम विवाह किया था और उसकी पत्नी अभी राजस्थान में पियर (मायके) गई हुई है, इसलिए मृतक का शरीर तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक उसकी पत्नी यहां नहीं आती। पुलिस के उच्च अधिकारियों ने परिवार को समझाया और उचित जांच की सुनिश्चितता दी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि कोई आरोपी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद, परिवार ने मृतक का शरीर स्वीकार किया।